कोटद्वार, गुरूवार
18 अप्रैल 2024
वर्षः 45
अंकः 342 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड में थमा चुनाव प्रचार का शोर

देहरादून। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है. जिसके मद्देनजर मतदान से 48 घंटे पूर्व यानी 17 अप्रैल शाम 5 बजे से चुनावी प्रचार–प्रसार थम गया है. आज शाम 5 बजे के बाद 19 अप्रैल शाम 6 बजे तक ऐसी कोई भी खबर प्रकाशित नहीं होगी, जो आदर्श आचार संहिता का उलंघन करती होगी. ऐसी खबरें प्रकाशित करने पर धारा 126 (1ब) का उल्लंघन माना जाएगा. जिसके लिए दो साल की सजा और जुर्माना का प्रावधान है. इसके साथ इस दौरान ओपिनियन पोल करना और ओपिनियन पोल को प्रकाशित करना प्रतिबंधित रहेगा.शराब की दुकानें 19 अप्रैल तक बंदः इस दौरान सभी शराब की दुकान बंद हो गई हैं. प्रदेश भर में शराब की दुकान मतदान के दिन यानी 19 अप्रैल शाम 6 बजे के बाद खोली जायेंगी. इसके साथ ही पड़ोसी राज्य में जिस भी चरण में मतदान होगा मतदान तिथि के 48 घंटा पहले भी उसे राज्य से जुड़े जिलों में भी ड्राइ डे घोषित किया जा सकता है. उत्तर प्रदेश में 7 फेज में को मतदान होना है. जिसके चलते 5 मई की शाम 5 बजे से 7 मई की शाम 6 बजे तक शराब की दुकान बंद रहेंगी. हरियाणा में 25 को मतदान होना है. 23 में की शाम 5 से 25 मई की शाम 6 बजे तक शराब की दुकान बंद रहेगी. हिमाचल प्रदेश में एक जून को मतदान है. यहां 30 में की शाम 5 बजे से 1 जून की शाम 6 बजे तक शराब की दुकान बंद रहेगी. रवाना हुई पोलिंग पार्टियांः 19 अप्रैल को होने वाले मतदान से 2 दिन पहले यानी 17 अप्रैल को 703 पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई हैं, जो आज शाम या फिर कल सुबह तक अपने गंतव्य को पहुंच जाएंगी. इसके साथ ही मतदान से तीन दिन पहले यानी 16 अप्रैल को 12 पोलिंग पार्टियां रवाना हुई थी, जो 17 अप्रैल को अपने गंतव्य स्थल पर पहुंच गई हैं. ऐसे में मतदान से एक दिन पूर्व यानी 18 अप्रैल को 11008 पोलिंग पार्टियां अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगी, जो 18 अप्रैल की शाम को अपने गंतव्य को पहुंच जाएंगी.उत्तराखंड में 11729 बूथ, 15000 पोलिंग पार्टियांः प्रदेश में कुल 11729 बूथ हैं. जिसके लिए करीब 15000 पोलिंग पार्टियां गठित की गई हैं. हर पोलिंग पार्टी में चार लोग शामिल होते हैं. यानी करीब 55000 कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगाई गई हैं. इसके अलावा चुनाव में 65 कंपनी सीएपीएफ, 20 कंपनी पीएसी और 15000 होमगार्ड की तैनाती की गई हैं. इन सभी होमगार्ड में से 9000 होमगार्ड उत्तर प्रदेश, 2000 होमगार्ड हिमाचल प्रदेश, 2000 दिल्ली और 2000 हरियाणा से मिले हैं. ऐसे में निर्वाचन आयोग का दावा है कि यह चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होगी.

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया 19 अप्रैल को मतदान होना है. सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू होगी, जो शाम 5 बजे तक चलेगी. मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में हल्की–फुल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि अन्य जिलों में मौसम पूरी तरह से साफ रहेगा. इसके साथ ही मतदान वाले दिन यानी 19 अप्रैल को पौड़ी, पिथौरागढ़ और नैनीताल में हल्की–फुल्की बारिश होने की संभावना है. बाकी अन्य जिलों में मौसम साफ रहेगा. इसके अलावा हीट वेव के संबंध में मौसम विभाग ने फिलहाल कोई पूर्वानुमान जारी नहीं किया है.प्रदेश में बनाए गए कुल 11729 पोलिंग बूथों में से करीब 5892 बूथ यानी 50 फीसदी पोलिंग बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है. इसके लिए हर जिले में और स्टेट स्तर पर भी कंट्रोल रूम तैयार किया गया है. प्रदेश में 283 शैडो एरिया चिन्हित किए गए हैं. इसके बाद उस क्षेत्रों में कम्युनिकेशन के लिए रेडियो सेट और सैटेलाइट फोन की व्यवस्था की गई है. फिलहाल करीब 3 बूथ हैं, जो शैडो क्षेत्र में हैं. जिसके लिए रेडियो सेट और सैटेलाइट फोन की व्यवस्था की गई है.

जमीन घोटाले मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, झामुमो नेता अंतु तिर्की समेत चार को किया गिरफ्तार

रांची ,रांची के जमीन घोटाले मामले में ईडी ने मंगलवार देर रात झामुमो नेता अंतु तिर्की सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को आज पीएमएलए कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी ने मंगलवार सुबह रांची में चार लोगों के ठिकाने पर छापेमारी की थी। एजेंसी ने देर शाम झामुमो नेता अंतु तिर्की, बिपिन सिंह, प्रियरंजन सहाय और इरशाद का बयान दर्ज किया और इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इन सभी के ठिकानों से कई दस्तावेज और साक्ष्य हाथ लगे हैं। एजेंसी इन सभी को अदालत में पेश करने के साथ उनसे पूछताछ के लिए रिमांड की मांग करेगी। इससे पहले मंगलवार को दिन में ईडी ने इस मामले में मो. अफसर अली उर्फ अफ्सू को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए झामुमो नेता अंतु तिर्की पार्टी के महानगर अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने झामुमो छोड़कर झारखंड विकास मोर्चा के टिकट से रांची की खिजरी सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ा था। वह लंबे समय से जमीन का कारोबार करते रहे हैं।

कांग्रेस पर टिप्पणी कर बुरे फंसे केसीआर

● चुनाव आयोग ने मांगा जवाब

नई दिल्ली , चुनाव आयोग ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्टी के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने पर भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी किया है और जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने केसीआर को 5 अप्रैल को सिरसिला में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर नोटिस जारी किया है। आयोग ने उनसे 18 अप्रैल की सुबह 11 बजे तक टिप्पणी के संबंध में अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा है। कांग्रेस नेता जी निरंजन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आयोग ने कहा कि केसीआर ने 5 अप्रैल को सिरसिला में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की आलोचना करते हुए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया।आयोग ने यह भी कहा कि केसीआर को उनके भाषण के संबंध में पहले भी कई सलाह और निर्देश जारी किए गए थे। आयोग को 6 अप्रैल को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन से एक शिकायत मिली थी, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि केसीआर ने सिरसिला में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के खिलाफ अभद्र, अपमानजनक और आपत्तिजनक आरोप लगाए थे।आयोग ने सख्त लहजे में कहा है कि निर्धारित समय के भीतर केसीआर की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

दून की वैदेही गुप्ता ने यूपीएसई में पायी 219वीं रैंक

देहरादून। दून की एक और होनहार बेटी ने यूपीएसई में सफलता पायी है। दून विहार जाखन निवासी वैदेही गुप्ता ने 219वीं रैंक पाकर राज्य का नाम रोशन किया है। वैदेही ने चौथे प्रयास में ये सफलता हासिल की। वैदेही के पिता मोहित गुप्ता ने बताया वे जाखन में अपनी पैथोलॉजी लैब चलाते हैं। जबकि उनकी पत्नी शालिनी गुप्ता गृहणी हैं। उनकी बेटी वैदेह की स्कूली शिक्षा ब्राइटलैंड स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने इंद्रप्रस्थ विवि से इंजीनियरिंग की। इंजीनियरिंग के बाद वे इंफोसिस में नौकरी भी करने लगी। इसी दौरान वे तीन बार यूपीएसई की परीक्षा दी। लेकिन चयन नहीं हुआ। अब उन्होंने चौथे प्रयास में यूपीएसई में सफलता पायी है। उनकी इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है।

कांग्रेस के युवराज यूपी में चुनाव हारने के बाद इज्जत बचाने के लिए केरल भागे : पीएम मोदी

नई दिल्ली ,त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान मंच पर त्रिपुरा पश्चिम सीट से भाजपा प्रत्याशी बिप्लब देव ने पीएम मोदी को माता दुर्गा का शस्त्र गदा भी दिया। भगवान विष्णु ने मां दुर्गा को महिषासुर का वध करने के लिए गदा दिया था। जिसे शक्ति का प्रतीक भी माना जाता है। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बिना नाम लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सब जानते हैं, कांग्रेस के युवराज यूपी में चुनाव हारने के बाद अपनी इज्जत बचाने के लिए केरल भाग गए थे। इन दिनों केरल के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के युवराज के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। इससे नाराज होकर कांग्रेस के युवराज ने कहा है कि केरल के सीएम भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उनको जेल में डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमेशा केंद्रीय एजेंसियों को गाली देने वाले युवराज अब जांच एजेंसी से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं यानी किसी ने कांग्रेस के युवराज की आलोचना की तो वह चाहते हैं कि उसे जेल में बंद कर दिया जाए। भ्रष्टाचार का दोषी कोई भी व्यक्ति छोड़ा नहीं जाएगा। ये हमारा संकल्प है। मैं जब केरल की भ्रष्ट सरकार का सच लोगों के सामने लाता हूं, तब कांग्रेस की बोलती बंद हो जाती है। अब कांग्रेस के युवराज की आलोचना हुई तो कांग्रेस केरल के सीएम को जेल में डलवाना चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीतिक पार्टियां और सरकारों को नॉर्थ ईस्ट की याद तभी आती थी। जब उन्हें आपके वोट चाहिए होते थे। कांग्रेस और इंडी गठबंधन की सरकार में नॉर्थ ईस्ट के लिए एक ही पॉलिसी चलती थी, लूट ईस्ट पॉलिसी। लेकिन, 10 साल पहले मोदी ने कांग्रेस–कम्युनिस्ट वाले इंडी गठबंधन वालों की लूट ईस्ट पॉलिसी पर ताला लगाकर बंद कर दिया। अब देश लूट ईस्ट पॉलिसी को छोडकर एक्ट ईस्ट पॉलिसी पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं पहला ऐसा प्रधानमंत्री हूं जो पिछले 10 साल में 50 से ज्यादा बार नॉर्थ ईस्ट आया हूं। कांग्रेस सरकार में कई मंत्रियों को ये भी नहीं पता होता था भारत के नक्शे में त्रिपुरा कहां पड़ता है।

उत्तराखंड के 283 बूथों पर नहीं है मोबाइल नेटवर्क

रेडियो सेट और सेटेलाइट फोन से होगा काम

देहरादून। लोकसभा चुनाव में राज्य के 283 बूथ ऐसे हैं, जो शैडो एरिया में आते हैं। यहां नेटवर्क नहीं है। इस वजह से यहां या तो सेटेलाइट फोन से काम होगा या फिर रेडियो सेट से। राज्य में चार बूथ ऐसे भी हैं, जहां सूचनाओं के आदान–प्रदान के लिए लोगों की ड्यूटी लगाई गई है।

यहां सेटेलाइट फोन भी काम नहीं करते। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने बताया, प्रदेश में चार बूथ ऐसे हैं, जहां सूचनाओं के आदान–प्रदान के लिए किसी तरह का नेटवर्क नहीं है। लिहाजा, यहां पोलिंग बूथ से लेकर सूचना स्थल तक के लिए अलग–अलग रनर तैनात किए गए हैं। कोई भी सूचना को एक रनर बाइक या अन्य माध्यम से पोलिंग बूथ से लेकर दूसरे प्वाइंट तक जाएगा।

वहां से सूचना आगामी प्वाइंट तक जाएगी। इसी तरह सूचना उस स्थल तक पहुंच जाएगी, जहां से सूचना अन्य माध्यम से चुनाव आयोग तक पहुंच सकती हो। इनमें एक बूथ पौड़ी के लालढांग में, एक पिथौरागढ़ के कनार में और दो उत्तरकाशी में हैं। प्रदेश में 283 शैडो एरिया बूथ हैं। यहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। लिहाजा, चुनाव आयोग ने यहां सेटेलाइट फोन व रेडियो सेट की सुविधा दी है।

मतदेय स्थल पर किसी भी तरह की घटना–दुर्घटना या अन्य सूचना के लिए इन्हीं माध्यमों का प्रयोग किया जाएगा। इन माध्यमों से ही इन पोलिंग बूथों पर होने वाले मतदान की जानकारी हर घंटे या हर दो घंटे में चुनाव आयोग तक पहुंचाई जाएगी। इन जिलों के डीएम–एसपी को भी सेटेलाइट फोन उपलब्ध कराए गए हैं।

मतदान के दिन हेली टिकट बुकिंग खोले जाने को लेकर नाराजगी

ऋषिकेश। लोकसभा चुनाव के मतदान के दिन 19 अप्रैल को केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की टिकट बुकिंग खोले जाने का स्थानीय वाहन स्वामियों और ट्रैवल्स संचालकों ने नाराजगी जताई।

उन्होंने प्रदेश सरकार की मनसा पर सवाल उठाते हुए कहा कि बाहरी राज्यों के ट्रैवल्स संचालकों को टिकट खरीदने का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार ने यह फैला लिया है। परिवहन व्यवसायियों व ट्रेवल्स संचालकों ने शीघ्र हेली सेवा बुकिंग की तिथि बदलने की मांग की है।

बुधवार को आइएसबीटी परिसर स्थित सहित रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति कार्यालय में विभिन्न परिवहन कंपनियों और ट्रैवल्स एजेंट की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में केदारनाथ हेली सेवा टिकट बुकिंग खोले जाने का सभी ने एक स्वर में विरोध किया गया।

'देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश'

माकपा के परमाणु हथियार नष्ट करने के वादे पर भड़के राजनाथ सिंह

कासरगोड। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को माकपा के चुनावी घोषणा पत्र पर निशाना साधा, जिसमें माकपा ने कहा है कि अगर सत्ता में आये तो देश के परमाणु हथियारों को नष्ट कर देंगे। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछता चाहता हूं कि माकपा के इस वादे पर आप क्या करेंगे। राजनाथ सिंह ने केरल के कासरगोड में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत के दोनों पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार हैं। ऐसी स्थिति में भारत के परमाणु हथियारों को नष्ट करने की बात करना, देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने से कम नहीं है। यह देश की सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश है।

माकपा का घोषणापत्र

माकपा यानि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) विपक्षी आईएनडीआईए ब्लॉक का हिस्सा है और माकपा ने गुरुवार को पार्टी के घोषणापत्र में परमाणु हथियारों को नष्ट करने का वादा किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में संयुक्त 'मनी हाइस्ट' की योजना बना रहे हैं। भाजपा ऐसा नहीं होने देगी, क्योंकि भारत की जनता ने तय कर लिया है– 'अबकी बार 400 पार'। उन्होंने कहा, जब भ्रष्टाचार और जनता के पैसे की लूट की बात आती है, तो वामदल और कांग्रेस एक दूसरे के 'ईस्टा' (जुड़वा भाई) हैं और अब केरला में भी इनका गेम ओवर होने वाला है।

वामदलों पर बरसे राजनाथ

राजनाथ सिंह ने कहा कि एक बार जब जनता ने त्रिपुरा और बंगाल से वामदलों को किक आउट कर दिया तो फिर सत्ता में उनके लिए नो एंट्री हो गई है। चाहे कांग्रेस हो या लेफ्ट पार्टी जब भी यह जनता के सामने अच्छी तरह एक्सपोज हो जाते हैं, तो इनका गेम ओवर हो जाता है। यही कारण है कि जिस भी राज्य से इनको किक आउट कर दिया जाता है, वहां के दरवाजे इनके लिए हमेशा बंद हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्या आप कांग्रेस और एलडीएफ पर भरोसा कर सकते हैं? ये लोग केरल में एक–दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं, लेकिन दिल्ली में यही कांग्रेस और लेफ्ट दोस्ती बढ़ाने के लिए 'मोडिराम मातल' करते हैं।

पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैम्पियन, 150 सीटों पर सिमटेगी भाजपा

● संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले राहुल और अखिलेश

नई दिल्ली ,उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में आज समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि पहले चरण का चुनाव होने जा रहा है। इस बार बीजेपी को गाजियाबाद से गाजीपुर तक इंडिया गठबंधन सफाया करने जा रहा है।

बीजेपी भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गया है। जो डबल इंजन सरकार का दावा कर रहे हैं, अब वह होर्डिंग में अकेले दिखाई दे रहे हैं। लूट और झूठ बीजेपी का नारा बन गया है। आने वाले चुनाव में देश की जनता बदलाव चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा, ह्यबीजेपी की हर बात झूठी निकली, उनके वादे झूठे निकले, ना किसान की आय दोगुनी हुई, ना नौजवानों को रोजगार मिला। विकास के जो सपने दिखाए थे वे भी अधूरे हैं। इनका जो नैतिकता का बुलबुला था वे भी टूट गया। चुनावी बॉन्ड ने इनका बैंड बजा दिया। राहुल गांधी ने कहा कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है। एक तरफ बीजेपी और आरएसएस लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश रही है, दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन और कांग्रेस बचाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता ने बताया कि इस समय देश के चुनाव में तीन बड़े मुद्दे हैं। इसमें बेरोजगारी, महंगाई और भागेदारी शामिल है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ह्यपीएम कितने भी सफाई दे दें, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। सबको पता है, पूरा देश जानता है कि पीएम भ्रष्टाचार के चैम्पियन हैं। बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। राहुल गांधी ने अमेठी से चुनाव लडऩे के सवाल पर न नहीं बोला है। उनका कहना है कि कांग्रेस जो कहेगी वो करेंगे।

पीएम मोदी के एक इंटरव्यू का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ह्यप्रधानमंत्री ने इसमें चुनावी बॉन्ड को समझाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री कहते हैं कि चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था पारदर्शिता के लिए, राजनीति को साफ करने के लिए लाया गया।

अगर ये सच है तो सुप्रीम कोर्ट ने उस व्यवस्था को क्यों रद्द कर दिया और दूसरी बात अगर आप पारदर्शिता लाना चाहते थे तो आपने भाजपा को पैसा देने वालों के नाम क्यों छुपाए। आपने उन तारीखों को क्यों छुपाया जिस दिन उन्होंने आपको पैसे दिए थे? यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है।

रामनवमी पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी पहुंचे कैंची धाम

नैनीताल ,उत्तराखंड में भी रामनवमी को लेकर जनता के बीच उत्साह और भक्ति भाव देखने को मिल रहा है। रामनवमी पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए भगवान राम से कामना की।

रामनवमी पर मुख्यमंत्री धामी कैंची धाम पहुंचे। जहां उन्होंने नीब करौरी बाबा का दर्शन–पूजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रामनवमी के शुभ अवसर पर बाबा नीब करौरी महाराज की तपोस्थली कैंची धाम में पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की कामना की।

भगवान हनुमान की कृपा आप सभी पर बनी रहे, यही प्रार्थना है।उन्होंने कहा कि मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत हमारी सरकार की ओर से कैंची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए बाइपास रोड, पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

कांग्रेस को लगा एक और झटका

पूर्व पार्टी विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति बीजेपी में हुए शामिल

बेंगलुरु। बेंगलुरु के पुलकेशीनगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक आर. अखंड श्रीनिवास मूर्ति बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी। फिर उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा लेकिन हार गए थे। भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे समेत अन्य नेताओं ने पार्टी में उनका स्वागत किया। पुलकेशीनगर विधानसभा सीट बेंगलुरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जहां से करंदलाजे लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं। येदियुरप्पा ने इस मौके पर कहा, "चुनाव से पहले श्रीनिवास मूर्ति के भाजपा में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिली है।"

'श्रीनिवास मूर्ति के बीजेपी में शामिल होने से मिलेगी अधिक शक्ति'

इस मौके पर मौजूद येदियुरप्पा ने कहा कि मूर्ति के शामिल होने से भाजपा को और ताकत मिलेगी और बेंगलुरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र की उम्मीदवार शोभा करंदलाजे को 3 लाख से अधिक वोटों से जीतने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अखंड श्रीनिवास मूर्ति के बीजेपी में शामिल होने से हमें और अधिक शक्ति और नैतिक ताकत मिलेगी।

रामलला का हुआ सूर्य तिलक, मस्तक पर चमकती रही सूरज की रोशनी

प्लेन में जूता उतारा, टैबलेट में रामलला का सूर्य तिलक देखा, सीने पर हाथ रखा ... पीएम मोदी की रामभक्ति

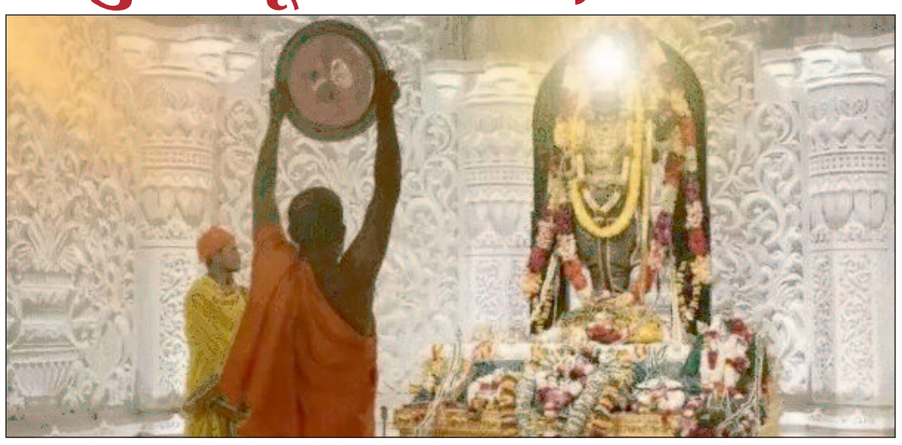

नई दिल्ली , । श्री रामनवमी के पावन अवसर पर बुधवार को अयोध्या के भव्य राम मंदिर में विराजमान रामलला के मस्तक पर अद्भुत सूर्य तिलक किया गया। चुनावी व्यस्तता के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला के इस अद्भुत सूर्य तिलक के दृश्य को लाइव देखा। आम श्रद्धालुओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। उन्होंने असम दौरे के दौरान हवाई जहाज में बैठे–बैठे सूर्य तिलक का लाइव प्रसारण देखा। पीएम ने अपने ङ्क हैंडल पर इसकी एक तस्वीर साझा की है। इसमें देखा जा सकता है कि कैसे वह अपना जूता उतारकर कुर्सी पर बैठे हुए हैं। उनके हाथ में टैबलेट हैं जिसके जरिये वे सीधा प्रसारण देख रहे हैं। उन्होंने अपने दाहिने हाथ को प्रणाम की मुद्रा में सीने से लगा रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने रामलला के अद्भुत सूर्य तिलक के दृश्य को लाइव देखते हुए अपनी तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए कहा, "नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का ये बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। ये सूर्य तिलक, विकसित भारत के हर संकल्प को अपनी दिव्य ऊर्जा से इसी तरह प्रकाशित करेगा।" दरअसल, लोकसभा चुनाव को लेकर जारी प्रचार अभियान के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार सुबह असम के नलबाड़ी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया और इसके बाद उन्हें त्रिपुरा के अगरतला में चुनावी जनसभा करनी है।

अयोध्या , रामनवमी के खास मौके पर अयोध्या के राम मंदिर में उस वक्त अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब प्रभु श्री राम के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया।यह अलौकिक नजारा भक्ति से भावविभोर कर देने वाला था। जैसे ही प्रभु श्री राम का सूर्य तिलक हुआ। पूरा मंदिर परिसर श्रीराम के नारे के उद्घोष से गूंज उठा। सूर्य तिलक का यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। रामनवमी के दिन रामलला की विशेष पूजा की गई। वहीं अयोध्या में भक्तों का जनसैलाब आया हुआ है। ठीक दोपहर 12 बजे रामलला का सूर्य तिलक हुआ। सूर्य तिलक होने के बाद भगवान श्री राम की विशेष पूजा की गईं और आरती उतारी गई।इससे पहले सुबह से ही भक्तों की उमड़ी भीड़ है। रामनवमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या में राम मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन करने के लिए पहुंचे हैं। रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में राम मंदिर के साथ ही हनुमानगढ़ी में भी बड़ी संख्या में भक्तों की रौनक है। रामनवमी पर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अयोध्या रेंज के आईजी प्रवीण कुमार ने बताया, व्यवस्था पहले से ही की गई है। हमने इलाकों को दो सेक्टर में बांटा है।

दर्शन सुबह 3:30 बजे से शुरू हो गए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, श्री रामनवमी की पावन बेला में आज, श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्रभु श्री रामलला सरकार का दिव्य अभिषेक किया गया। श्रद्धालु रात 11.30 बजे तक (20 घंटे) दर्शन कर सकेंगे। सुबह कपाट खुलने के बाद रामलला का दूध से अभिषेक, फिर श्रृंगार किया गया। इस दौरान भक्त रामलला का दर्शन भी करते रहे। सुबह 5 बजे मंगला आरती हुई। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर काफी भीड़ है। शयन आरती के बाद रात 11:30 बजे रामलला के कपाट बंद किए जाएंगे। उधर, रामनवमी पर 40 रामभक्त जयपुर से 700 किलोमीटर पैदल चलकर अयोध्या पहुंचे हैं। रामभक्तों का कहना है कि 21 मार्च को सिर पर 750 ग्राम चांदी की चरण पादुका, अखंड ज्योति और ध्वजा लेकर रवाना हुए थे। हम सभी भगवान का नाम लेते हुए अयोध्या पहुंचे। आज चरण पादुका को नगर भ्रमण करवाया। हनुमानगढ़ी ले गए। फिर सरयू में स्नान कराया। इसके बाद रामलला को समर्पित करेंगे।रामलला को आज गुलाबी वस्त्र पहनाए गए हैं। जिस पर सूर्य का चिह्न बना है। उन्हें सोने का मुकुट, हार आदि पहनाया गया है, जिसमें हीरा–पन्ना, माणिक्य, नीलम जैसे रतन जड़े हैं। रामलला की पूजा में गुलाब, कमल, गेंदा, चंपा, चमेली जैसे फूलों का प्रयोग किया गया है।

संपादकीय

धधकते वन, नष्ट होते संपदा

उत्तराखंड में इस साल जंगल अधिक धधक रहे हैं। तेज गर्मी और ऊपर से जंगलों में आग से वन्य जीवों की जान पर बन आई है। उनके सामने पानी और भोजन का संकट पैदा होने के साथ ही कुछ क्षेत्रों में शिकार का भी खतरा बना है। खासकर राजाजी टाइगर रिजर्व और नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के आबादी क्षेत्र से लगे जंगलों में शिकारी इन दिनों घात लगाए रहते हैं। गर्मियों का मौसम शुरू होने के साथ ही उत्तराखंड के जंगलों में एक नई मुसीबत खड़ी हो जाती है जो वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचाने के साथ–साथ वन्य जीवों के लिए भी एक बड़ा खतरा बनती है। उत्तराखंड के जंगलों में लगने वाली आग हमेशा से ही वन विभाग के लिए एक चुनौती रही है। इस वर्ष भी तापमान बढ़ने के साथ राज्य के जंगल धधकने कने लगे हैं और काफी तेजी से इनका क्षेत्रफल भी बढ़ता जा रहा है। फिलहाल वन विभाग के पास कोई ऐसी दक्ष टीम में ही है जो बढ़ती हुई आग पर काबू पा सके। भरोसा है तो केवल बारिश का जो अभी दूर–दूर तक नजर नहीं आ रही है। तो क्या इन परिस्थितियों में इस जंगलों को ऐसे ही जलते हुए छोड़ दिया जाए? समस्या यह है कि वनग्नि से लड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन भी विभाग के पास नहीं है और ना ही ग्रामीणों को ही इस दिशा में प्रशिक्षित किया गया है। उत्तराखंड की पहाड़ी क्षेत्र पहले से ही जंगली जानवरों के आतंक से परेशान है उस पर जंगलों में लगी आग इन जानवरों को रियासी क्षेत्र में आने को विवश कर सकती हैं। तेज गर्मी में वन्य जीवों के पीने के पानी की दिक्कत न हो, इसके लिए प्रदेश के पूरे जंगलों में पानी के गढ्ढों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए ताकि यह जीव जंगलों से बाहर ना आए। वनों में लगने वाली आग न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए घातक है बल्कि वन्य जीवों का प्रजनन समय भी इस आज के कारण बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। जंगल में आग से जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंच रहा है। यूं तो जंगलों में आग लगने के कई कारण है लेकिन एक मुख्य कारण खेतों में खर पतवार जलाना भी है,जिसकी वजह से कई बार जंगल में आग लग जाती है। इसके अलावा कुछ लोग जानबूझकर भी जंगलों में आग लगाते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी जंगल में लगी आग इंसानों के लिए घातक साबित हो रही है खास तौर पर पहाड़ के जंगलों में आग से जैव विविधता प्रभावित होने के साथ ही क्षेत्र में श्वास के रोगी बढ़ रहे हैं। उत्तराखंड की जंगल में हमेशा से ही अग्नि की घटनाएं होती आई है और ऐसी घटनाओं के बाद कई हेक्टर जंगल प्रभावित होते हैं। इनमें न केवल वन्य जीवों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है बल्कि प्राकृतिक संपदा का भी बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। विभाग के पास भी जंगलों में लगने वाली आग से लड़ने का कोई मजबूत मंत्र नहीं है और पुराने परंपरागत तरीकों से पहाड़ों की आग पर काबू करने का काम किया जाता रहा है। ऐसे प्रयास अक्सर नाकाफी साबित होते हैं और आग बढ़ने के साथ–साथ रेस्क्यू टीम में भी पीछे हटती चली जाती है। सारे प्रयासों के बाद आखिरकार एकमात्र सहारा बरसात का ही रह जाता है जैसा कि पिछले वर्ष की घटनाओं में भी यही देखने को मिला था जब बारिश के बाद ही वनों में लगी आग पर काबू पाया जा सका था।

क्षेत्रीय युद्ध के मुहाने पर पश्चिम एशिया

ईरानी शासन पर उनके अपने लोगों का भी दबाव बहुत था। अगर ऐसी कार्रवाई नहीं होती, तो शासन के प्रति लोगों के भरोसे में कमी आना स्वाभाविक था। इसलिए ये हमले हुए। और, हमले भी ऐसे थे, जिनसे इस्राइल अपना बचाव कर सकता था। एक तो पूर्व सूचना थी, सो तैयारी के लिए समय मिल गया। दूसरी बात यह है कि ईरान से ड्रोन, मिसाइल आदि इस्राइल पहुंचने में जो वक्त लगा, उससे भी बचाव में मदद मिली। इसके साथ–साथ जॉर्डन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि कुछ देशों ने भी अपने स्तर से सहयोग किया। ईरान को यह भी पता था कि इस्राइल के पास मिसाइल डिफेंस क्षमता है। अगर ईरान चाहता, तो वह लेबनान स्थित हिज्बुल्लाह के जरिये भी सैकड़ों मिसाइलों से हमला करा सकता था। हिज्बुल्लाह के पास ऐसे हथियारों का बड़ा जखीरा है। उससे इस्राइल को भारी नुकसान हो सकता था। ईरान यमन और इराक में अपने समर्थकों के साथ एक–साथ हमले भी कर सकता था। या वह बैलेस्टिक मिसाइलों या बड़े पैमाने पर बमबारी वाले हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था।

डॉ राजन

ईरान और इस्राइल के बीच तनातनी और हिंसक कार्रवाइयों का इतिहास पुराना है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब ईरान ने अपनी धरती से इस्राइल पर सीधे हमले किये हैं। इससे पहले के हमले ईरान अपने समर्थक समूहों, जैसे– हमास, हिज्बुल्लाह, अंसारअल्लाह, पॉपुलर मोबिलाइजेशन आदि के जरिये कराता रहा है। अब तक वह सीधे इस्राइल से लड़ाई से बचता रहा है। सीरिया में उसके दूतावास पर हुए हमले की जवाबी कार्रवाई में किये गये इन हमलों से यह संकेत मिलता है कि ईरान अपनी पुरानी रणनीति में बदलाव कर रहा है। ईरान ने दूतावास हमले को अपनी संप्रभुता पर हमला बताया है। ईरान ने इन हमलों को सीमित हमला कहा है, जिसके कुछ निशाने तय थे। हमलों के बाद उसने यह भी कहा है कि उसका जवाब पूरा हो गया और वह आगे हमले नहीं करेगा। साथ ही, उसने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इस्राइल ने फिर हमला किया, तो वह ज्यादा ताकत के साथ जवाब देगा। मेरी राय में ये हमले सांकेतिक थे और इनकी पूरी तैयारी की गयी थी। इस कार्रवाई के बारे में पश्चिमी देशों को बता भी दिया गया था। इसी कारण अमेरिका और भारत समेत विभिन्न देशों ने अपने नागरिकों को निकल जाने को कहा था तथा हवाई सेवाओं को भी रोक दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि ईरानी शासन पर उनके अपने लोगों का भी दबाव बहुत था। अगर ऐसी कार्रवाई नहीं होती, तो शासन के प्रति लोगों के भरोसे में कमी आना स्वाभाविक था। इसलिए ये हमले हुए। और, हमले भी ऐसे थे, जिनसे इस्राइल अपना बचाव कर सकता था। एक तो पूर्व सूचना थी, सो तैयारी के लिए समय मिल गया। दूसरी बात यह है कि ईरान से ड्रोन, मिसाइल आदि इस्राइल पहुंचने में जो वक्त लगा, उससे भी बचाव में मदद मिली। इसके साथ–साथ जॉर्डन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि कुछ देशों ने भी अपने स्तर से सहयोग किया। ईरान को यह भी पता था कि इस्राइल के पास मिसाइल डिफेंस क्षमता है। अगर ईरान चाहता, तो वह लेबनान स्थित हिज्बुल्लाह के जरिये भी सैकड़ों मिसाइलों से हमला करा सकता था। हिज्बुल्लाह के पास ऐसे हथियारों का बड़ा जखीरा है। उससे इस्राइल को भारी नुकसान हो सकता था। ईरान यमन और इराक में अपने समर्थकों के साथ एक–साथ हमले भी कर सकता था। या वह बैलेस्टिक मिसाइलों या बड़े पैमाने पर बमबारी वाले हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था। कुछ जानकार यह भी कह रहे हैं कि ईरान ने पश्चिमी देशों को बता भी दिया था। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना के प्रमुख ने बचाव की

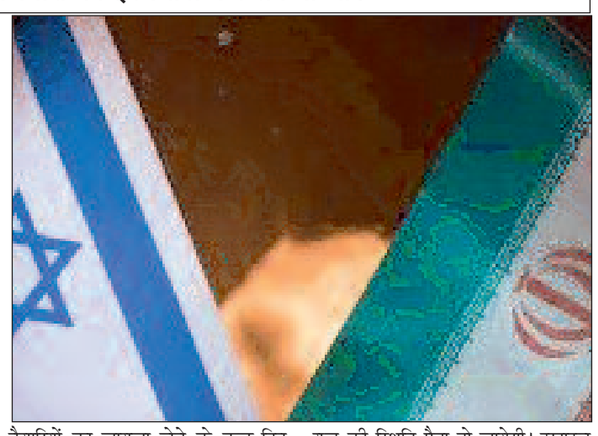

तैयारियों का जायजा लेने के कुछ दिन पहले इस्राइल की यात्रा भी की थी।अब देखना यह है कि इस्राइल की ओर से क्या प्रतिक्रिया होती है। अगर दोनों तरफ से हमलों का सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो निश्चित रूप से पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय युद्ध की स्थिति पैदा हो जायेगी। इस्राइल की कोशिश है कि इस क्षेत्रीय तनाव में अमेरिका पूरी तरह शामिल हो जाए। अगर लड़ाई आगे बढ़ती है, तो अमेरिका को इसमें आना ही होगा और यही इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू चाहते हैं। अमेरिका ने कहा है कि अगर इस्राइल द्वारा ईरान पर हमला किया जाता है, तो वह उसमें शामिल नहीं होगा। वह केवल इस्राइल के बचाव में मददगार होगा। लेकिन हमले और बचाव को लेकर इस तरह की नीति बहुत भ्रामक होती है। जब हमले और जवाबी हमले का सिलसिला शुरू हो जायेगा, तो यह तय कर पाना मुश्किल होगा कि क्या हमला है और क्या बचाव है। लेकिन अमेरिका की अभी यही रणनीति है कि वह इस्राइल को रोके। इसका कारण यह है कि पहले ही अफगानिस्तान को लेकर राष्ट्रपति बाइडेन की बहुत आलोचना हो चुकी है। गाजा में पिछले कई महीने से जो भयावह स्थिति है, उसे लेकर भी उनकी आलोचना हो रही है।

यूक्रेन युद्ध में अमेरिकी रवैये को उनके देश में बहुत समर्थन नहीं मिल रहा है। उनसे विरोधी रिपब्लिकन पार्टी के ही नहीं, बल्कि डेमोक्रेटिक पार्टी के भी बहुत से नेता एवं समर्थक नाराज हैं। पश्चिम एशिया में नया युद्ध चुनाव में बाइडेन के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है।ईरान और इस्राइल सैन्य शक्ति संपन्न राष्ट्र हैं। ईरान के पास अपनी क्षमता के साथ–साथ विभिन्न देशों में लड़ाकों का समूह है। इस्राइल के साथ अमेरिका और पश्चिम के देश हैं। इस बार की तरह अरब के देश भी उसे सहयोग कर सकते हैं, पर तब अरब के शासकों को अपनी जनता के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, युद्ध की स्थिति में फिलिस्तीन का मसला पीछे हो जायेगा और ईरान से लड़ाई या युद्धविराम मुख्य मुद्दा बन जायेगा। बाइडेन चुनाव के समय इस तरह के मामले में उलझना नहीं चाहते। उस जटिल स्थिति से सभी परहेज करना चाहते हैं। अपने राजनीतिक लाभ के लिए केवल नेतन्याहू चाहते हैं कि यह युद्ध बढ़े ताकि उन्हें अधिक समर्थन मिले और उनकी सरकार बची रह सके। यह एक तथ्य है कि ईरान को हरा पाना संभव नहीं होगा। तो, युद्ध बहुत लंबा खींच सकता है। उस स्थिति में पश्चिम एशिया में जो तबाही होगी, वह तो होगी ही, वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी उसके असर को भुगतना होगा। बीते दिनों तेल के दाम बढ़े हैं। युद्ध की स्थिति में लाल सागर, फारस की खाड़ी, स्वेज नहर आदि तमाम महत्वपूर्ण रास्ते बाधित होंगे। तब केवल तेल ही नहीं, सभी तरह की चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ेंगे।भारत और ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों ने सभी पक्षों को संयम से काम लेने का अनुरोध किया है। ईरान भी ब्रिक्स समूह का सदस्य है। हालांकि भारत के संबंध ईरान और इस्राइल दोनों से अच्छे हैं, पर इन पर शांति के लिए दबाव बनाना आसान नहीं है। यही स्थिति चीन के साथ है। पश्चिम एशिया में बड़ी अशांति चीन के आयात और निर्यात पर बड़ी चोट कर सकती है। युद्ध की स्थिति रूस के लिए कुछ फायदेमंद हो सकती है क्योंकि दुनिया का ध्यान यूक्रेन से हट जायेगा और तेल व गैस की कीमतें बढ़ेंगी। अमेरिका और पश्चिम के देश यूक्रेन को पर्याप्त मात्रा में हथियारों की आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। उनके यहां उत्पादन भी धीमी गति से चल रहा है। ऐसे में पश्चिम एशिया में हथियारों की खपत करना पश्चिम के लिए बहुत घाटे का सौदा हो सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध किसी के लिए हितकर नहीं है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसे रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। अभी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था महामारी के असर में है। यूक्रेन और अन्य लड़ाइयों ने भी नुकसान किया है। एक और युद्ध भयावह साबित होगा।

कानूनी सख्ती के बावजूद क्यों पनप रही है बाल तस्करी

–ललित गर्ग

देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद–फरोख्त की मंडी चल रही थी, जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने–बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की ह्यबच्चा मंडीह्ल के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दापाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है। आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केश-ावपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड़ किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है।

दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता–पिता के साथ–साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। आरोपी कई निसंतान दंपतियों से लाखों रुपए की ठगी करने में भी संलिप्त हैं। इस गिरोह के तार कहां–कहां हैं इसकी भी कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। यह गिरोह आईवीएफ के माध्यम से युवतियों को गर्भधारण कराता था फिर इन शिशुओं को बेचता था। गरीब माता–पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद–फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

अर्थ की अंधी दौड़ में इंसान कितने क्रूर एवं अमानवीय घटनाओं को अंजाम देने लगा है कि चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे हैं। नीति एवं निष्ठा के केन्द्र बदलने लगे हैं। मानवीयता एवं नैतिकता की नींव कमजोर होने लगी है। आदमी इतना खुदगर्ज बन जाता है कि उसकी सारी संवेदनाएं सूख जाती है। बाल तस्करी के खिलाफ कई सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद भारत में यह समस्या नासूर बनती जा रही है। नवजात बच्चे चुराने वाले गिरोह के पर्दाफाश से फिर यह तथ्य उभरा है कि बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों में कानून का कोई खौफ नहीं है। बच्चों की तस्करी पर भारी जुर्माने के साथ उम्रकैद तक का प्रावधान होने के बावजूद यह कड़वी हकीकत है कि ऐसे दस फीसदी से भी कम मामले दोषियों को सजा तक पहुंच पाते हैं। मुकदमों की पैरवी सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी बच निकलते हैं और वे फिर बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद–फरोख्त में लिप्त हो जाते हैं।

बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद–फरोख्त के अनेक कारण हैं। निसंतान दंपतियों द्वारा बच्चों को खरीदना एकमात्र कारण नहीं है बल्कि गरीबी, अशिक्षा, आर्थिक विषमता, सुविधावादी जीवनशैली, भौतिकवाद, बच्चों की अधिक संख्या, बेरोजगारी भी बड़ा कारण है। पैसे की अपसंस्कृति ने अपराधों को अनियंत्रित किया है। पैसे कमाने के लिए कई लोग बाल तस्करी एवं बच्चों की खरीद–फरोख्त के व्यापार में लग गए हैं। वो गरीब लोगों को बहकाकर उनके बच्चों को काम दिलवाने का झांसा देकर शहर ले जाते हैं फिर शहर में जाकर उन बच्चों को बेचा जाता है फिर शुरू होता है बच्चों के शोषण का अंतहीन सिलसिला। जो बच्चे खो जाते हैं उनको अपराधी अगवा कर बेच देते हैं।

आतंकवाद के प्रति सटीक और तत्काल निर्णय जरूरी

भारत सीमापार से होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यह प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री शुक्रवार को ह्यहम भारत क्यों मायने रखता हैः युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारीह्ल विषय पर बोल रहे थे। 2008 में हुए मुंबई हमलों का जवाब देने को लेकर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी संप्रग सरकार पर निशाना साधने हुए उन्होंने कहा कि काफी चर्चा के बावजूद कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। उन्होंने माना पाकिस्तान पर हमला करने की कीमत उस पर हमला न करने से अधिक होगी। 2014 में आतंकवाद की शुरुआत नहीं हुई, यह मुंबई हमले के साथ नहीं हुई, बल्कि यह 1947 में हो चुकी थी। उन्होंने कश्मीर हमले को आतंकवादी कृत्य माना। शिवशंकर ने कहा कि वे गांव और शहर जला रहे थे, लोगों की नृशंस हत्या कर रहे थे। 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में आए बदलावों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस देश से संबंध बनाए रखना मुश्किल है, वह है पाकिस्तान है। पाकिस्तान समेत अन्य देशों में मारे गए आतंकवादियों के पीछे भारत का हाथ होने वाली ब्रिटिश अखबार ह्यगार्जियनह्ल में छपी खबरों का भी उन्होंने तीव्र प्रतिकार करते हुए इन खबरों का तीव्र खंडन किया। ऐसा पहली बार नहीं है, जब विदेश मंत्री जयशंकर ने अपनी बात सख्ती से दोटूक अंदाज में रखी। विश्व पटल पर भारत की छवि मोदी सरकार ने लगातार बदली है। यह कहना कि आतंकवादी किसी नियम से नहीं चलते, उन्हें जवाब भी वैसे ही मुंहतोड़ तरीके दिया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हितों का पालन करते हुए भारत दुनिया के तमाम देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने तथा मानवाधिकारों का सम्मान और बहुपक्षवाद पर केंद्रित रहता है। आज भारत के लिए हालात इतने साजगार हो चुके हैं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद वैश्विक अगुवा बने रहने और दुनिया को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखने में भारत हिचकता नहीं।

फिल्म कांगुवा का दमदार पोस्टर जारी, सूर्या के दोहरे किरदार की झलक देखकर फैंस हुए उत्साहित

तमिल सुपरस्टार सूर्या के फैंस उनकी फिल्म कंगुवा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब फैंस की बेताबी को देखते हुए फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। सूर्या ने भी इसे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है। इसे देखने के बाद फैंस काफी ज्यादा खुश हैं।

हालांकि, पोस्टर में सिरुथाई शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है, जिससे प्रशंसकों को थोड़ी निराशा भी हुई है। जारी किए गए पोस्टर में अभिनेता डबल रोल में नजर आ रहे हैं।

उनका एक किरदार 500 साल पुराना तो वहीं दूसरा किरदार मौजूदा समय का नजर आ रहा है। कांगुवा के नए पोस्टर में सूर्या के दोहरे किरदारों का आमना–सामना होता दिख रहा है और उनके पास अपने–अपने समय का एक हथियार भी है।

कांगुवा एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो वर्तमान को 500 साल पहले हुई घटना से जोड़ती नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांगुवा को 300 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के वीएफएक्स के काम में अभी समय लगेगा, जिसकी वजह से इसकी रिलीज डेट की घोषणा नहीं की जा रही है।

साथ ही, यह भी बताया जा रहा है कि फिल्म का कुछ पैचवर्क भी शूट किया जाना बाकी है और फिल्म का सीक्वल बनने की तैयारी है। इस फिल्म में बॉबी देओल नकारात्मक किरदार में नजर आएंगे। वहीं, दिशा पटानी इसमें मुख्य अभिनेत्री के रूप में दिखेंगी। मेकर्स ने कांगुवा को 10 भारतीय भाषाओं में रिलीज की योजना बनाई है।

टी20 विश्व कप तक बांग्लादेश के स्पिन कोच होंगे मुश्ताक़ अहमद

ढाका, पाकिस्तान के पूर्व लेगस्पिनर मुश्ताक अहमद इस साल टी20 विश्व कप तक बांग्लादेश के स्पिन–गेंदबाजी कोच होंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को घोषणा की कि मुश्ताक अगले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम की टी20 सीरीज से पहले तैयारी शिविर के लिए ढाका आएंगे।

मुश्ताक अहमद ने बीसीबी के हवाले से कहा, स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में बांग्लादेश क्रिकेट टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं इस भूमिका के लिए उत्सुक हूं और अपने अनुभव को खिलाड़ियों तक पहुंचाना चाहता हूं क्योंकि वे बहुत प्रशिक्षित हैं और मैं हमेशा मानता हूं कि वे सबसे खतरनाक टीमों में से एक हैं। वे किसी को भी हरा सकते हैं क्योंकि उनके पास क्षमता, संसाधन हैं और प्रतिभा है।

एम्बाप्पे के गोल से पीएसजी चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

बार्सिलोना,किलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट–जर्मेन ने मंगलवार रात एस्टाडी ओलम्पिक लुलिस में एफसी बार्सिलोना पर 4–1 से दूसरे चरण की रोमांचक जीत (कुल मिलाकर 6–4) के बाद यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीएसजी घरेलू हार और दो गोल से पिछड़ने के बाद उबर गया क्योंकि एम्बाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदल दिया और 4–1 से दूसरे चरण की जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पेरिसियों ने चुनौतीपूर्ण शुरुआत करते हुए मैच का पहला गोल खा लिया, जब रफिन्हा ने 12वें मिनट में गोल करके स्कोर 1–0 और कुल स्कोर 4–2 कर दिया। रेनाल्ड अराउजो ने लुइस एनरिक और उनकी टीम को पहले हाफ के बीच

में जीवनदान दिया। अराउजो को सीधे लाल कार्ड मिला, जिससे बार्सिलोना को मैच के अधिकांश समय में दस खिलाड़ियों के साथ रहना पड़ा। लीग 1 की रिपोर्ट के अनुसार, पीएसजी ने स्थिति का फायदा उठाया और 40वें मिनट में ओस्मान डेम्बेले ने गोल करके मैच को 1–1 से बराबर कर दिया, जिससे कुल स्कोर 4–3 हो गया। दूसरे हाफ में, पीएसजी ने एक अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेलने का फायदा उठाते हुए मुकाबले को पलट दिया। वितिन्हा ने 54वें मिनट में गोल करके कुल स्कोर 4–4 कर दिया और लीग 1 टीम ने मैच में 2–1 की बढ़त बना ली। डेम्बेले ने फिर से अपनी पूर्व टीम को परेशान किया क्योंकि 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिसियों के लिए पेनल्टी किक जीती। एम्बाप्पे ने 64वें मिनट में मौके को भुनाकर पीएसजी को मुकाबले में 3–1 की बढ़त और कुल स्कोर पर 5–4 की बढ़त दिला दी।

बॉक्स ऑफिस पर क्रूका धमाल जारी, वर्ल्डवाइड 150 करोड़ की तरफ तेजी से बढ़े फिल्म के कदम

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन अभिनीत फिल्म क्रू सिनेमाघरों में टिकी हुई है। यह फिल्म 29 मार्च को रिलीज हुई थी। पहले दिन से ही दर्शकों ने इसे हाथोंहाथ लिया। तीन अभिनेत्रियों के कंधों पर टिकी फिल्म ने कमाल कर दिया, जो अभी तक जारी है। यह फिल्म न सिर्फ देश में शानदार प्रदर्शन कर रही है, बल्कि विदेशों में भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने का सिलसिला जारी है। 100 करोड़ क्लब में एंट्री पा चुकी क्रू के कदम अब 150 करोड़ की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं।

राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू ने पहले और दूसरे सप्ताह शानदार प्रदर्शन किया। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले सप्ताह 43.75 करोड़ जुटाए। वहीं दूसरे सप्ताह की कमाई 21.15 करोड़ रुपये रही। तीसरे सप्ताह में भी फिल्म का जलवा कम नहीं हुआ है। वीकएंड पर एक बार फिर क्रू ने शानदार कारोबार किया। आंकड़ों के मुताबिक 17वें दिन फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1.7 करोड़ रुपये कमाए।

वर्ल्डवाइड भी यह फिल्म पहले दिन से तूफानी कलेक्शन कर रही है। तीसरे सप्ताह में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां और अजय देवगन की मैदान के बीच भी इसकी चमक कम नहीं हुई है। तीसरा सप्ताहांत भी कमाल रहा। आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को (16वें दिन) इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड करीब चार करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसी के साथ फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 131.96 करोड़ रुपये हो गया है।

फिल्म को मजबूत कहानी और अभिनय की वजह से दर्शक सराह रहे हैं। इसमें तब्बू, करीना और कृति के अलावा दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी नजर आए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की मैदान ने वीकेंड पर पकड़ी रफ्तार

अजय देवगन की फिल्म मैदान को भले ही बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से भिड़ंत का नुकसान उठाना पड़ रहा हो, लेकिन अजय की उम्दा अदाकारी और फिल्म की कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है ह्यही वजह है कि फिल्म को रविवार की छुट्टी का जबरदस्त फायदा मिला है।अब मैदान की चौथे दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसमें इजाफा देखने को मिला है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मैदान ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी रविवार को 6.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने 4.50 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन यह फिल्म 2.75 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.75 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।अब मैदान का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.85 करोड़ रुपये हो गया है।

टीम के खिलाड़ी एक–दूसरे की सफलता से खुश हैं: बटलर

कोलकाता, राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद खुशी व्यक्त की। ड्रेसिंग रूम के माहौल पर विचार करते हुए उन्होंने कहा कि टीम सुलझी हुई लगती है और हर कोई एक–दूसरे की सफलता से खुश है। मंगलवार रात ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर दो विकेट से जीत के बाद आरआर ने आईपीएल 2024 स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 224 रनों का लक्ष्य रखा. लेकिन, लक्ष्य का पीछा करने के दौरान आरआर रास्ता भटकता

नजर आया। फिर, बटलर ने अपनी घबराहट को नियंत्रित किया और अपने खिलाफ खड़ी बाधाओं को देखते हुए गियर बदल दिया।

बटलर ने 60 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए, जो उनका सातवां आईपीएल शतक और सीजन का दूसरा शतक था, क्योंकि राजस्थान ने मैच की अंतिम गेंद पर लक्ष्य का पीछा करते हुए एक सफल रन चेज़ में सर्वाधिक रन बनाने के अपने ही आईपीएल रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अपने सातवें आईपीएल शतक के बारे में आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर, जियो सिनेमा से बात करते हुए, बटलर ने कहा, यह सही है, आखिरी गेंद पर विजयी रन बनाना एक अद्भुत एहसास है। टाटा आईपीएल हमेशा इन मैचों को खुला कर देता है, यही बात है जो आपको यह सोचने की अनुमति देती है कि जूनून में कुछ भी संभव हो सकता है। आज रात यह एक शानदार एहसास था और जीत से खुशी हुई। जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स के ड्रेसिंग रूम के मूड पर विचार करते हुए, इंग्लिश विकेटकीपर–बल्लेबाज ने कहा, ड्रेसिंग रूम शानदार है।

एक नजर

तीन दिन बंद रहेंगी शराब की दुकानें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोकसभा चुनाव के देखते हुए 17 से 19 अप्रैल तक शहर में शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि 19 अप्रैल को सुबह सात से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। मतदान के दिन से 48 घंटे पहले 17 अप्रैल की शाम पांच बजे से मतदान समाप्ति तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी। मतगणना के दिन चार जून को भी यह दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। आबकारी निरीक्षकों को आदेश का पालन करवाने को कहा है।

भाजयुमो ने निकाली बाइक रैली, बलूनी के लिए मांगे वोट

श्रीनगर गढ़वाल : भारतीय जनता युवा मोर्चा ने बुधवार को स्वीत से गोला बाजार, गणेश बाजार, वीर चंद्रसिंह गढ़वाली मार्ग होते हुए नगर के मुख्य मार्गों पर बाइक रैली निकाली। रैली के दौरान भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने भाजपा लोस प्रत्याशी अनिल बलूनी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। साथ ही 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। इस मौके पर सुधीर जोशी, उद्योग व्यापार जिलाध्यक्ष वासुदेव कण्डारी, नब्बू घिल्डियाल, दीपक चौधरी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व महासचिव और पूर्व न.पा अध्यक्ष भाजपा में शामिल

श्रीनगर गढ़वाल : कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव प्रदीप तिवाड़ी और उनकी पत्नी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूनम तिवाड़ी ने भाजपा का दामन थाम लिया है। बुधवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रदीप तिवाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा में जाने का मन बनाया। कहा कि वे दो दशक तक कांग्रेस पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए जनहित के मुद्दों पर लोगों के लिए कार्य करते रहे हैं। आगे भी जनहित के मुद्दों पर कार्य करते रहेंगे। (एजेंसी)

नदी में फंसे युवकों किया सकुशल रेस्क्यू

श्रीनगर गढ़वाल : एनआईटी घाट के पास अलकनंदा नदी में नहाने उतरे दो युवक अचानक जलस्तर बढ़ने से बीच में फंस गये। जिनको रेस्क्यू के बाद सकुशल बाहर निकाला गया। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी सुनील रावत ने बताया कि अलकनंदा नदी पर दो युवकों के फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई। एसडीआरएफ, गोताखोर और पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद एक घंटे तक रेस्क्यू के बाद युवकों को सकुशल बाहर निकाला गया। कोतवाली प्रभारी सुनील रावत ने बताया कि दो युवक एनआईटी घाट के पास अलकनंदा नदी में नहाने उतरे थे।

माकपा के पदाधिकारियों ने गुनसोला के लिए मांगे वोट

नई टिहरी : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की जिला कमेटी ने टिहरी लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जोत सिंह गुनसोला के पक्ष में चुनावी अभियान चलाते हुए वोट मांगे। पार्टी ने किरगणी व डाबरी ब्रांच कमेटियों के साथ बैठक करने के बाद केमरगांव, डाबरी, किरगणी, भित्यान व चर्खिल में घर-घर जाकर वोट मांगे। प्रचार करने वालों में पार्टी के राज्य कमेटी सदस्य भगवान सिंह राणा, जिला संयोजक मण्डल के सदस्य कृपाल सिंह कठैत, गुलाब सिंह कठैत, कृष्णा कठैत, मंगल सिंह कठैत, जसोदा सजवाण, बिजला नेगी, रतन लाल, सुनीता आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

मतदान पर मोबाइल फोन ले जाना होगा वर्जित

नई टिहरी : जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम मयूर दीक्षित ने कहा कि मतदान के दिन पोलिंग बूथों पर मतदान के दौरान मोबाइल फोन ले जाना वर्जित होगा। इस दौरान मतदान करते हुए सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर कार्रवाई की जायेगी। पत्रकारों से बातचीत में जिला निर्वाचन अधिकारी दीक्षित ने कहा कि किसी भी हाल में चुनाव के दौरान मतदान की गोपनीयता को भंग नहीं होने दिया जायेगा। इसके लिए सभी को सख्त हिदायत दी गई है।

गैरसैंण में कांग्रेस ने किया रोड शो

चमोली : चुनाव प्रचार के अंतिम समय में गैरसैंण नगर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी की उपस्थिति में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रोड शो किया। नेगी ने कहा कि इस बार जनता भाजपा से परेशान हो चुकी है। गढ़वाल लोकसभा सीट पर परिवर्तन चाह रही है।

सतपुली शराब प्रकरण में गोदियाल को चुनाव आयोग की हिदायत, बिना सबूत न लगाएं आरोप

एकेश्वर क्षेत्र में बंद पड़ी फैक्ट्री में नौ हजार से अधिक शराब की बोतले हुई थी बरामद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल को चुनाव आयोग ने चेतावनी दी है। उन्हें हाल ही में जिला निर्वाचन अधिकारी पौड़ी व आरओ गढ़वाल सीट डा. आशीष चौहान ने नोटिस भेजकर 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा था। जवाब दाखिल करने के बाद अब आयोग ने गोदियाल को चेतावनी दी है कि भविष्य में अपुष्ट तथ्यों के आधार पर कोई भी भ्रामक प्रचार न करें।

बता दें कि गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा के मुख्य निर्वाचन अभिकर्ता (चीफ इलेक्शन एजेंट) जगत किशोर बड़थ्वाल ने जिला निर्वाचन विभाग पौड़ी को आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर एक शिकायत सौंपी थी। शिकायती पत्र में बड़थ्वाल ने बताया कि बीते 12 अप्रैल को कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने अपने सोशल मीडिया (फेसबुक) पर वीडियो जारी किया था, जिसमें बताया गया कि एक प्लांट से शराब पकड़ी गई है। वह चुनाव में बांटने के लिए लाई गई थी। वीडियो में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ तथ्यहीन दुष्प्रचार किया। कहा कि सतपुली के समीप बोटलिंग प्लांट बीते जनवरी 2024 में सील हो गया था। वह प्लांट सरकार के नियंत्रण में है। आरोप लगाया कि गोदियाल ने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ सारे तथ्यहीन व निराधार आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा यह भाजपा प्रत्याशी की राजनीतिक छवि को धूमिल करने का षडयंत्र है। साथ ही यह उनके चुनाव प्रचार को प्रभावित करने का प्रयास है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए आयोग ने गोदियाल को नोटिस जारी किया था। बता दें कि गढ़वाल लोकसभा सीट से भाजपा के मुख्य निर्वाचन अभिकर्ता (चीफ इलेक्शन एजेंट) जगत किशोर बड़थ्वाल ने जिला निर्वाचन विभाग पौड़ी को आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर एक शिकायत सौंपी थी। शिकायती पत्र में बड़थ्वाल ने बताया कि बीते 12 अप्रैल को कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल ने अपने सोशल मीडिया (फेसबुक) पर वीडियो जारी किया था, जिसमें बताया गया कि एक प्लांट से शराब पकड़ी गई है। वह चुनाव में बांटने के लिए लाई गई थी। वीडियो में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ तथ्यहीन दुष्प्रचार किया। कहा कि सतपुली के समीप बोटलिंग प्लांट बीते जनवरी 2024 में सील हो गया था। वह प्लांट सरकार के नियंत्रण में है। आरोप लगाया कि गोदियाल ने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ सारे तथ्यहीन व निराधार आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा यह भाजपा प्रत्याशी की राजनीतिक छवि को धूमिल करने का षडयंत्र है। साथ ही यह उनके चुनाव प्रचार को प्रभावित करने का प्रयास है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए आयोग ने गोदियाल को नोटिस जारी किया था।

सर्वोदयी नेता मुरारी लाल के निधन पर जताया शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सर्वोदय मंडल से जुड़े व गोपेश्वर निवासी सर्वोदयी नेता मुरारी लाल का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके निधन पर सर्वोदय मंडल कोटद्वार के सदस्यों ने शोक व्यक्त किया है।मंडल कार्यालय में आयोजित शोक सभा में वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने भूदान व चिपको आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में वे हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते थे। जिसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जायेगा। मौके पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। शोक व्यक्त करने वालों में सर्वोदयी सेविका शशिप्रभा रावत, सुरेन्द्र लाल आर्य, डॉ. गीता रावत शाह, विनय किशोर रावत, मयंक कोठारी और मंजू रावत आदि शामिल थे।

यूकेडी ने चलाया अभियान, मांगे वोट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल की स्थानीय इकाई ने पार्टी प्रत्याशी आशुतोष नेगी के पक्ष में भाबर में जनसंपर्क अभियान चलाते हुए लोगों से पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

भाबर क्षेत्र के कलालघाटी, भीमसिंहपुर, नंदपुर, मोटाढाक, पदमपुर, दुर्गापुर, उमराव नगर, नींबूचौड़ आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान के दौरान पार्टी सदस्यों ने मूल निवास 1950 लागू करने, भू कानून लागू करने आदि मुद्दों को लेकर जनता से वोट मांगे। जनसंपर्क अभियान में डॉक्टर शक्तिशैल कपरवाण, पुष्कर सिंह रावत, महेंद्र सिंह रावत, सत्य प्रकाश भारद्वाज, पितृशरण जोशी, हरीश द्विवेदी, सत्यपाल सिंह नेगी, भारत मोहन काला, सतेन्द्र नेगी, कमलेश कुकरेती, दर्शन नेगी और संजय सिंह शामिल रहे।

श्रीनगर व चौबट्टाखाल विस के लिए 83 पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लोकसभा चुनावों के लिए पौड़ी जिले के दूरस्थ पोलिंग बूथों के लिए बुधवार को पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई।

कंडोलिया मैदान पौड़ी से श्रीनगर और चौबट्टाखाल की 83 पालिंग पार्टियां रवाना हुई। पौड़ी विधानसभा की सभी पोलिंग पार्टी 18 अप्रैल को रवाना होंगी। इस दौरान कर्मचारियों की स्वास्थ्य की जांच भी की गई।

बुधवार को कंडोलिया मैदान से विधानसभा श्रीनगर की 41 व चौबट्टाखाल की 42 पोलिंग पार्टियों रवाना हुई। वहीं, 18 अप्रैल को रवानगी होने वाली पार्टियों को निर्वाचन किट वितरित की गई।

प्रेक्षक पीयूष समारिया व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने सभी मतदान कर्मचारियों को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया कराने के निर्देश दिए। कहा कि इवीएम व वीवीपैट मशीन को सुरक्षित ले जाए। इस दौरान उन्होंने मतदान कर्मचारियों के लिए बन रहे भोजन स्थल, पोस्टल बैलट कक्ष का निरीक्षण भी किया। कहा कि मतदान टीम अधिक से अधिक व समय पर मतदान करवाएं।

रामनवमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : चैत्र नवरात्र के आखिरी दिन रामनवमी पर श्रीनगर और आसपास के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। सुबह होते ही मंदिरों में घंटियों और शंख की गूंज सुनाई देने लगी। कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पूजा अर्चना की। पूरे विधि-विधान के साथ पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने कन्या पूजन कर भोग लगाया।

चैत्र नवरात्र की नवमी का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है, क्योंकि इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म हुआ था। इसीलिए इस दिन को राम नवमी कहा जाता है और इस दिन को भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। (एजेंसी)

कन्या पूजन कर श्रद्धालुओं ने की सुख-शांति के लिए कामना

आदिशक्ति मां भवनेश्वरी मंदिर सांगड़ा में हवन करते श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बुधवार को नवरात्रि के अंतिम दिन मां दुर्गा के नौवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा की गई। लोगों ने घर में कन्या पूजन कर मां दुर्गा से अपने परिवार व देश के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

नवरात्रि की नवमी पर मां भगवती के नौवें स्वरूप की हुई पूजा मंदिर व घरों में विशेष पूजन के साथ किया गया हवन

कोटद्वार स्थित सुखरो देवी मंदिर, नौ दुर्गा माता मंदिर, दुर्गा माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों को नवमी की तैयारियों को लेकर विशेष रूप से सजाया गया था। सुबह से ही भक्त मां के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंच रहे थे। भक्तों ने घंटों लाइन में खड़े रहकर दुर्गा मां का आशीर्वाद लिया। घर व मंदिरों में विशेष पूजन के साथ ही हवन भी करवाया गया। व्रत रखने वालों ने घरों में कन्या जिमाई कर आशीर्वाद लिया। वहीं, पाटीसैंण स्थित ज्वाल्पा देवी मंदिर में भी रामनवमी पर उत्साह बना हुआ था। मंदिर में मां दुर्गा की विशेष पूजा की गई।

आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर में की विशेष पूजा

कोटद्वार : आदिशक्ति मां भवनेश्वरी मंदिर सांगड़ा में नवरात्रि के अवसर पर आदिशक्ति मां भुवनेश्वरी मंदिर पूजा सेवा समिति की ओर से विशेष पूजन किया गया। इस दौरान श्रीमद्देवी भागवत कथा, भजन संध्या, दुर्गासप्तशती पाठ भी पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। नवरात्रि के प्रथम दिन आचार्य नागेंद्र मोहन सैलवाल द्वारा समस्त भक्तों के साथ आदिशक्ति माँ भुवनेश्वरी देवी की चल विग्रह मूर्ति का नारद गंगा में स्नान करवाया गया था। मुख्य पुजारी पंडित गणेश प्रसाद सैलवाल द्वारा मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना ब्राह्मणो द्वारा दैनिक हवन पूजन पाठ के साथ ब्लॉक प्रमुख महेंद्र राणा बीना राणा, डॉ. पुष्कर मोहन नैथानी पूजा सेवा समिति अध्यक्ष प्रेम सिंह नेगी, सचिव कैलाश थलेड़ी द्वारा नव दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा व्यास बृजेश जोशी ने सभी भक्तो को प्रतिदिन कथा का रसपान करवाया। सप्तमी कालरात्रि का पूजन हवन के साथ नवमी तिथि मे सुनील नैथानी द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई। वर्तमान मुख्य पुजारी पंडित गणेश प्रसाद सैलवाल विगत 40 वर्षों से निरंतर माँ की पूजा अर्चना सेवा मे सेवारत है। सचिव कैलाश थलेड़ी ने बताया कि पूजा सेवा समिति वर्ष 1757 से चली आ रही माँ की पूजा अर्चना को भव्यता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर मनोज नैथानी, सुबोध नेगी, दिग्विजय रावत, सुभाष रावत, सुरेन्द्र सिंह नेगी, प्रकाश काला आदि मौजूद रहे।

मतदान की तैयारी, रवाना होने लगी पोलिंग पार्टी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चुनाव-प्रचार प्रसार थमने के बाद चुनाव आयोग ने शुक्रवार को होने वाले मतदान को लेकर तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार से पर्वतीय क्षेत्रों के लिए पोलिंग पार्टी मतदान केंद्रों के लिए रवाना की गई।

19 अप्रैल को होने वाले मतदान के क्रम में बुधवार को कोटद्वार, यमकेश्वर व लैंसडौन विधानसभा क्षेत्रो की 98 मतदान टोलियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गई। गुरूवार शाम तक तीनों विधानसभाओं में सभी मतदान टोलियां मतदान केंद्रों तक पहुंच जाएंगी। कोटद्वार के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से कोटद्वार, यमकेश्वर, लैंसडौन विधानसभाओं की सभी 449 मतदान केंद्रों के लिए मतदान टोलियों की रवानगी की जानी है। मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पांडे की देखरेख में बुधवार सुबह से मतदान टोलियों को ईवीएम मशीन व वीवीपैट मशीनों का वितरण कार्य शुरू किए गया। बुधवार को कोटद्वार विधानसभा की 137 मतदान टोलियों में से पांच टोलियां, लैंसडौन विधानसभा की 138 मतदान टोलियों में से 87 टोलियां और यमकेश्वर विधानसभा की 174 मतदान टोलियों में से छह टोलियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुई। साथ ही गुरूवार को रवाना होने वाली शेष 351 मतदान टोलियों को मतदान सामग्री वितरित की गई।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार से रवाना होती मतदान टोलियां

रामनवमी पर मंदिरों में उमड़ी भीड़

चमोली : चैत्र नवरात्र के समापन पर बुधवार को कर्णप्रयाग, सिमली, आदिबदरी, नौटी, नंदासेंण, सिरोली, भटोली, बगोली के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी।

इस दौरान कन्याओं की पूजा की गई। कर्णप्रयाग के उमा देवी मंदिर में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा और उन्होंने पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। वहीं, सिमली के चंडिका देवी मंदिर में सेनू, सिमली, कोली, भटोली, सुदरगांव, जाख, राड़खी, मजियाड़ी सहित आसपास के गांवों से श्रद्धालु पहुंचे और देवी की पूजा अर्चना की। नौटी के नंदा देवी और लंगासू के चंडिका देवी मंदिर में भी दिनभर देवी के पुण्य दर्शनों के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। भक्तों ने मंदिरों में भजन कीर्तन भी किए। (एजेंसी)

राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार बिना प्रमाणित विज्ञापन प्रकाशित न कराएं

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पूर्व कोई भी राजनैतिक दल, उम्मीदवार किसी प्रकार का संगठन या कोई व्यक्ति प्रिंट मीडिया में कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं कराएगा जब तक राजनैतिक विज्ञापनों की सामग्री उनके द्वारा पूर्व से प्रमाणित न हो।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी ने बताया कि राजनैतिक दल, उम्मीदवार किसी प्रकार का संगठन एवं कोई व्यक्ति जनपद स्तर पर गठित मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) के पूर्व प्रमाणन के राजनैतिक विज्ञापन प्रिंट मीडिया प्रकाशित एवं प्रचारित न हों। यदि किसी के द्वारा ऐसा किया जाता है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने सभी से यह भी अपेक्षा की है कि कोई भी फेक न्यूज एवं भ्रामक समाचार पर विश्वास न करें एवं बिना प्रमाणिकता के शेयर न करें।

यदि किसी के संज्ञान में ऐसा पाया जाता है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन अथवा मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति को उपलब्ध कराएं, ताकि इस संबंध में उचित कार्यवाही की जा सके।

दूरस्थ ग्रामीणों क्षेत्रों की 7 पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार की देखरेख में केदारनाथ विधानसभा की दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की 07 पोलिंग पार्टियां अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। जिलाधिकारी ने सभी पार्टियों को शुभकामनाएं देते हुए सामंजस्य के साथ काम करने को कहा।

19 अप्रैल, 2024 को होने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं कुशलता के साथ संपादित कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार की देखरेख में विधानसभा केदारनाथ की दूरस्थ क्षेत्रों की 07 पोलिंग पार्टियां अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गई। इसमें जनपद का दूरस्थ एवं यूनिक बूथ गोंडार भी शामिल है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी अनिल शुक्ला ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में मतदान के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं एवं 07 पोलिंग पार्टियां बुधवार को अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गई हैं।

कहा कि दूरस्थ पोलिंग पार्टियां जिन्हें 6 से 3 किमी. तक पैदल दूरी तय करनी है। जिसमें मतदेय स्थल राजकीय प्राथमिक विद्यालय गौंडार 6 किमी., राजकीय प्राथमिक विद्यालय तोषी 5 किमी., राजकीय प्राथमिक विद्यालय चिलौंड 4 किमी., राजकीय प्राथमिक विद्यालय ब्यूंखी 4 किमी., राजकीय प्राथमिक विद्यालय बेड़ूला 3 किमी., राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुणजेठी 3 किमी. तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय जग्गी बगवान 3 किमी. शामिल हैं। बताया कि सभी पार्टियों को आपातकाल या मशीन खराब होने की स्थित में अतिरिक्त मशीने भी उपलब्ध करवायी गई हैं।

कर्मचारियों को बताएं आग से बचाव के तरीके

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अग्निशमन विभाग की ओर से भाबर स्थित ग्रोथ सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों की जानकारी दी गई। कहा कि उपकरणों का प्रयोग कर हम आग जैसी घटनाओं पर तुरंत काबू पा सकते हैं।

अग्निशमन अधिकारी रमेश चंद्र गौतम के नेतृत्व में बलभद्रपुर व जशोधरपुर स्थित औद्योगिक संस्थानों में अभियान चलाया गया। टीम ने कर्मचारियों को गर्मी के मौसम में आग लगने के मुख्य कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि यह जानकारी हमें अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। टीम ने उद्योग क्षेत्रों में लगे अग्निशमन उपकरण के बारे में जानकारी देते हुए उनके उपयोग के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही कर्मचारियों को पंपलेंट वितरित किए गए।

कर्मचारियों को आग से बचाव के तरीके बताते दमकल कर्मी

सुरक्षा जवान निष्पक्ष रूप से ड्यूटी करें : एसएसपी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : एसएसपी ने सभी सुरक्षा जवानों को निष्पक्ष रूप से ड्यूटी करने को कहा। कहा कि ड्यूटी में तैनात सुरक्षा जवान अधिकृत वाहनों से ना जाकर अपने निजी वाहनों का प्रयोग करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने सख्त निर्देश दिए कि ड्यूटी में लापरवाही करने व नशे का सेवन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी।

लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से करवाने को लेकर पौड़ी, श्रीनगर व चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्रों में ड्यूटी पर तैनात पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, होमगार्ड, पीआरडी, बाहरी राज्यों से प्राप्त सुरक्षा बलों के जवानों को बुधवार को कंडोलिया मैदान में आयोजित ब्रीफिंग में एसएसपी लोकेश्वर सिंह द्वारा ब्रीफ किया गया। एसएसपी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान जवान किसी भी पार्टी, उम्मीदवार के विषय में निजी राय, अनावश्यक टीका टिप्पणी नहीं करेंगे। मतदान केंद्रों पर तैनात सुरक्षा जवान अपने प्रभारी अफसर का मोबाइल नंबर अपने पास रखेंगे।

मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदान केंद्र के अंदर किसी भी मतदाता को मोबाइल ले जाने कि अनुमति किसी भी दशा में नहीं होगी। सुरक्षा जवान पीठासीन अधिकारी द्वारा बुलाए जाने के अतिरिक्त किसी भी दशा में मतदान केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं करेंगे। एसएसपी ने कहा कि जिले की तीन विधानसभा सीट पौड़ी, श्रीनगर और चौबट्टाखाल में 846 मतदान केंद्र हैं, जिसमें 2 सुपरजोन, 34 जोन, 132 सेक्टर बनाए गए हैं।

जिसमें पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। लोकसभा निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 06 राजपत्रित अधिकारी, 11 निरीक्षक, 67 उपनिरीक्षक, 62 अपर उपनिरीक्षक, 213 मुख्य आरक्षी, 361 आरक्षी, 1750 होमगार्ड, 567 पीआरड़ी, 01 कम्पनी पीएसी एवं 04 कम्पनी सीएपीएफ को नियुक्त किया गया है। इस दौरान जनपद पुलिस एवं अर्धसैनिक बल/अन्य राज्यों से आये पुलिस बल के अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एसएसपी लोकेश्वर सिंह सुरक्षा जवानों को निर्देश देते हुए।

एक नजर

भाजपा राज्य की पांचों सीट रिकार्ड मतों से जीतेगी : दुष्यंत गौतम

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा चुनाव प्रभारी और राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि पार्टी राज्य की पांचों लोकसभा सीटों को रिकार्ड मतों से जीतेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा को कांग्रेस की तुलना में 20 से 25 लाख मत अधिक मिलेंगे। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के आखिरी दिन बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए दुष्यंत गौतम ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों ने डबल इंजन सरकार के फायदे देखे हैं।

पिछले दस सालों में राज्य में तेजी से विकास हुआ है। राज्य और केंद्र की सरकार ने कई ऐसे कार्य किए जो पहले असंभव लगते थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने जिस तरह के अलग राज्य का सपना देखा था, भाजपा की सरकारों ने उसे पूरा करने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। जो कुछ समस्याएं अभी बनी हुई हैं उन्हें दूर करने के प्रयास धामी सरकार लगातार कर रही है।

स्थानीय मुद्दों की बजाए प्रधानमंत्री के लिए वोट

दुष्यंत गौतम ने कहा कि राज्य के लोग लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर वोट कर रहे हैं।

जोशीमठ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के भावुक होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जबाव में गौतम ने कहा कि स्थानीय मुद्दों पर लोग वोट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में किसी भी सीट पर मतदाता स्थानीय मुद्दों की बात नहीं कर रहे। लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और विकसित भारत के लिए मतदान करने वाले हैं।

देहरादून से रायपुर होकर ऋषिकेश नहीं जाएंगे वाहन

देहरादून। ट्रैफिक पुलिस ने रायपुर से पोलिंग पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए प्लान जारी कर दिया है। यह प्लान 20 अप्रैल तक लागू रहेगा। इस दौरान देहरादून की तरफ से रायपुर होते हुए कोई भी वाहन एयरपोर्ट–ऋषिकेश की ओर नहीं जाएगा। ऋषिकेश और एयरपोर्ट की तरफ से भी वाहन थानो–रायपुर होते हुए देहरादून शहर नहीं आएंगे।

सभी वाहन मुख्य हाईवे या लिंक मार्गों से आएंगे। स्पोर्ट्स कॉलेज की तरफ भारी वाहनों की आवाजाही भी प्रतिबंधित रहेगी। पुलिस ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। जहां से सभी पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। यहां पोलिंग पार्टियों के प्रस्थान और वापसी के दौरान प्रभावी यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए यातायात पुलिस की तैनाती की गई है। साथ ही वाहनों के रूट डायवर्ट किए गए हैं। बताया कि मालदेवता और थानों रोड, रिंग रोड, सर्वे चौक, सहस्त्रधारा क्रासिंग, रायपुर चौक, छह नंबर पुलिया से कोई भी वाहन स्पोर्ट्स कॉलेज की ओर नहीं जाएगा। मालदेवता की ओर से आने वाले भारी वाहन सभी (ट्रक/डंपरों) को मालादेवता चौकी पर रोका जाएगा। राजपुर और सहस्त्रधारा क्रासिंग की ओर से रायपुर की ओर जाने वाले वाहनों को भी सर्वे चौक से रिस्पना पुल–डोईवाला–भानियावाला होते हुए भेजा जाएगा।

कांग्रेस ने आखिरी वक्त पर मसूरी में झोंकी ताकत

देहरादून। चुनाव में प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस पार्टी ने टिहरी सीट से लोक सभा प्रत्याशी जोत सिंह गुनसोला के समर्थन में रैली निकाली। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोगों से गुनसोला के लिए वोट मांगे। बुधवार को बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पुराने टिहरी बस स्टैण्ड पर एकत्र हुए। यहां से कांग्रेसियों ने लोकसभ प्रत्याशी जोत सिहं गुनसोला के साथ जनसंपर्क किया। रैली मलिंगार, गुरूद्वारा चौक, लंढौर चौक, घंटाघर, शहीद भगत सिंह चौक, शहीद स्थल, मालरोड होते हुए गांधी चौक तक गई। रास्ते भर कांग्रेस कार्यकर्ता जोत सिंह गुनसोला के समर्थन में नारेबाजी की। गुनसोला ने सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत किया और कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की । कहा कि टिहरी संसदीय क्षेत्र के लोगों ने परिवर्तन का मन बना लिया है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री गोदावरी थापली, पूर्व पालिकाध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित गुप्ता, मेघ सिंह कंडारी, देवी गोदियाल, मुकेश पंवार, लखपत, भगवान सिंह चौहान, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता जय प्रकाश राणा समेत अन्य मौजूद रहे।

चमोली के दुर्गम मतदान केंद्रों के लिए 40 पोलिंग पार्टियां हुई रवाना

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : लोकसभा चुनाव के लिए जनपद चमोली के दूरस्थ मतदेय स्थलों की 40 पोलिंग पार्टियों को मतदान दिवस के दो दिन पूर्व बुधवार को चुनाव सामग्री के साथ रवाना किया गया। इनमें बद्रीनाथ विधानसभा की 08, थराली विधानसभा की 18 तथा कर्णप्रयाग विधानसभा की 14 पोलिंग पार्टियां शामिल है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कुल 584 में से दूरस्थ क्षेत्र की 40 पार्टियों को मतदान बुधवार को रवाना किया गया है। बाकी 544 मतदेय स्थलों के लिए 18 अप्रैल को पोलिंग पार्टियां भेजी जाएंगी। दूरस्थ क्षेत्र की पोलिंग पार्टियों को अतिरिक्त रिजर्व ईवीएम भी उपलब्ध कराई गई है। रवानगी के दौरान पोलिंग पार्टियों को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों के संयोजन, निर्वाचन संबधी प्रपत्र और निर्वाचन दायित्वों के संबध में ब्रीफ भी किया गया।

चमोली जिले की तीनों विधानसभा में कुल 584 मतदेय स्थल बनाए गए है। जिसमें से 40 पोलिंग पार्टियां बुधवार को रवाना हो चुकी है, जबकि 544 पोलिंग पार्टियों को गुरुवार को रवाना किया जाएगा। लोकसभा चुनाव के लिए सभी पोलिंग बूथों पर शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होना है। पोलिंग पार्टियों की रवानगी के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना, अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश सहित तीनों विधानसभा के सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं अन्य नोडल अधिकारी मौजूद थे। बद्रीनाथ विधानसभा के जिन दूरस्थ मतदेय स्थलों के लिए बुधवार को पोलिंग पार्टियां रवाना हुई उनमें मतदान केंद्र 36-राजकीय जूनियर हाईस्कूल मोल्ठा, 43-रा.प्रा.वि.जखोला, 44-रा.प्रा.वि.किमाणा, 45-रा.प्रा.वि.डुमक, 46-रा.प्रा.वि. कलगोठ, 132-रा.प्रा.वि. ईराणी, 132-रा.प्रा.वि. झींझी, 138-रा.प्रा.वि.पाणा शामिल है। थराली विधानसभा के अंतर्गत 18 मतदेय स्थलों के लिए बुधवार को मतदान केंद्र 41-रा.प्रा.वि.भवन प्राणमती, 45-रा.उ.मा.वि.भवन कनोल, 46-रा.प्रा.वि. बडगुना, 84-रा.प्रा.वि.कफोली मल्ली, 85-रा.प्रा.वि. बमियाला, 127-रा.प्रा.वि.पैनगढ़, 162-रा.इ.का. रतगांव, 163-रा.प्रा.वि. रतगांव गूंठ, 173-राइका मेलखेत, 174-रा.प्रा.वि. मानमती, 175-रा.आर्दश प्राथमिक विद्यालय खेता, 176-रा.प्रा.वि. तोरती, 177-रा.उ.मा..वि. हरमल, 178-रा.प्रा.वि. चोटिंग, 179-रा.जू.हा.सौरागाड़ उदयपुर, 185-रा.प्रा.वि. बलांण, 186-रा.प्रा.वि.पिनाऊ 191-रा.प्रा.वि.भवन बमोटिया के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना हुई। कर्णप्रयाग विधानसभा के अंतर्गत 14 मतदेय स्थलों के लिए बुधवार को 5-रा.प्रा.वि. धनपुर, 19-रा.प्रा.वि. सकण्ड, 22-रा.प्रा.वि. एण्ड, 62-रा.प्रा.वि. घतूडा, 72- रा.प्रा.वि. बारों, 119- रा.प्रा.वि.चोरडा, 132-रा.प्रा.वि.मेहरगांव, 150- रा.प्रा.वि.स्यूणी तल्ली, 157-रा.प्रा.वि.स्यूणी मल्ली, 169-रा.प्रा.वि. झूमाखेत, 170-रा.प्रा.वि. कण्डारीखोड, 173-रा.प्रा.वि. कुशरानी मल्ली, 175-रा.प्रा.वि. देवपुरी, 176-रा.प्रा.वि. नैल के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना की गई।

मतदान को चार सुपरजोन, 33 जोन व 161 सेक्टरों में बांटा

हरिद्वार। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 4 सुपरजोन, 33 जोन व 161 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने चुनाव ड्यूटी में तैनात पुलिस–प्रशासन, पीएसी, पैरामिलिट्री फोर्सेज, वन विभाग, होमगार्ड्स व पीआरडी को मिलाकर लगभग पांच हजार जवानों को बुधवार को ब्रीफ किया। जनपद में कुल 861 मतदान केन्द्र हैं, जिसमें से 1714 मतदेय स्थल हैं, जबकि 247 संवेदनशील पोलिंग बूथ चिन्हित किए गए हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि वर्दी निर्वाचन के विश्वास का प्रतीक है। जिसमें आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस करता है कि सुरक्षा बलों के संरक्षण में निष्पक्ष, सुरक्षित व भयमुक्त निर्वाचन संपन्न होगा। समस्त सुरक्षा बलों से अपेक्षा की जाती है कि अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन बड़ी कुशलता के साथ करेंगे और ईवीएम मशीन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखेंगे। पोलिंग बूथ पर अगर कोई अराजक तत्व आते हैं तो समय रहते हुए उसकी सूचना अपने उच्च अधिकारी को दी जाए।एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पैरामिलिट्री व पुलिस फोर्स, होमगार्ड्स व पीआरडी के जवानों के साथ–साथ पूरे फोर्स को ड्यूटी कार्ड्स, पोलिंग बूथ और यातायात साधनों की जानकारी दी। मतदान स्थल पर बरते जाने वाली हर छोटी बड़ी सावधानियों के साथ मतदान के बाद ईवीएम मशीन को पूर्णरूपेण सुरक्षित तरीके से निर्धारित स्थल पर लाने के भी स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए। फोर्स को मतदान स्थलों पर दिव्यांग और बुजुर्ग वोटरों को व्यवस्था के अनुरूप सहयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

रामनवमी पर कन्याओं की हुई पूजा

नई टिहरी : भगवान राम की तपस्थली देवप्रयाग में रामनवमी पर्व पूरी भक्ति व आस्था के साथ मनाया गया।

श्रद्धालुओं ने भगवान की तपस्थली रामकुंड और गंगा संगम पर स्नान कर भगवान रघुनाथ के मंदिर मे पूजा-अर्चना की। जबकि जनपद टिहरी के विभिन्न हिस्सों सहित जिला मुख्यालय में रामनवमी पर्व श्रद्धा से मनाया गया। बुधवार को रामनवमी के पर्व को बड़े ही धूमधाम से जनपद टिहरी में मनाया गया। जनपद टिहरी के मंदिरों में भक्तों ने रामनवमी पर पूजा-अर्चना के साथ ही कन्याओं का जिमाने का भी सिलसिला जारी रहा। त्रिदेव मंदिर में कन्याओं को जिमाने के साथ ही भंडारे का भी आयोजन हुआ। वहीं परंपरानुसार देवप्रयाग में भगवान रघुनाथ की उत्सव मूर्ति मंदिर के बाहर छत्री मे रखी गयी। जहां तीर्थपुरोहित समाज द्वारा नवरात्र की हरियाली घरों से लाकर भगवान को समर्पित कर स्वस्थ व सुखी जीवन का आशीर्वाद लिया।

तीर्थ पुरोहित समाज की महिलाओं ने भगवान राम को समर्पित भजनों का इस मौके पर गायन भी किया। प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी-देवताओं के निशान के साथ यहां पर्व का पुण्य लाभ लेने गंगा स्नान को भी पहुंचे। वहीं देश के कई क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओ ने भी संगम स्नान के बाद भगवान राम का दर्शन पूजन कर यहां आशीर्वाद लिया। (एजेंसी)

त्रिवेंद्र सिंह ने ज्वालापुर क्षेत्र में रोड शो कर जनता से वोट मांगे

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी के हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ज्वालापुर विधान सभा क्षेत्र में रोड शो कर जनता से वोट मांगे। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ज्वालापुर विधान सभा के गांव पूरनपुर से रोड शो की शुरुआत की। रोड शो में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रोड शो में त्रिवेंद्र रावत का जगह–जगह फूल मालाएं पहना कर स्वागत किया गया। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें समाज के सभी वर्गों से समर्थन मिल रहा है। इस बार कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे को साकार करेंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं और महिलाओं ने जो विश्वास व्यक्त किया है। उस पर वह खरा उतरेंगे। रोड शो में पूर्व विधायक सुरेश राठौर, महामंत्री सुशांत चौहान, मयुर चौहान, ब्रह्मपाल सिंह, प्रभु सिंह, परवीन कुमार, शिवकुमार, मंगल सिंह चौहान, मोहित चौहान, संजय चौहान आदि उपस्थित रहे।

निर्वाचन में लगे सभी वाहनों पर अनिवार्य रूप से जीपीएस सिस्टम लगाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : 19 अप्रैल, 2024 को होने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं कुशलता के साथ संपादित कराने के लिए निर्वाचन प्रक्रिया हेतु की जा रही तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में बनाए गए डिस्पेच सेंटर में जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने नोडल अधिकारी परिवहन एवं नोडल अधिकारी जीपीएस को निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन में उपयोग में लाएं जाने वाले सभी वाहनों पर अनिवार्य रूप से जीपीएस सिस्टम लगाएं।

निष्पक्ष, स्वतंत्र निर्वाचन कराने के लिए विधानसभा केदारनाथ की दूरस्थ क्षेत्रों की 7 पोलिंग पार्टियां बुधवार को अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार की देखरेख में रवाना की गई। दोनों विधान सभाओं की 355 पोलिंग पार्टियां 18 अप्रैल को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सहायक रिटर्निंग अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि सभी पोलिंग पार्टियों को उनके संबंधित बूथों पर तैनाती एवं निर्वाचन सामग्री वितरण की ससमय उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने नोडल अधिकारी खानपान को भी निर्देश दिए हैं कि गुरूवार को रवाना होने वाली पोलिंग पार्टियों के लिए खानपान की समय से उचित व्यवस्था कराएं तथा खाने में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही रवाना होने से पूर्व सभी पोलिंग पार्टियों को खाना/नाश्ता अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। नोडल अधिकारी योगेंद्र चैधरी ने बताया कि रुद्रप्रयाग विधानसभा में बुधवार दोपहर तक कुल 243 अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से अपना मताधिकार का प्रयोग कर लिया गया है।

निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव कराना अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : 19 अप्रैल, 2024 को होने वाले लोकसभा सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं कुशलता के साथ संपादित कराने के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी/उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल कुमार शुक्ला ने निर्वाचन कार्य में तैनात किए गए जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रटों को क्रीड़ा मैदान अगस्त्यमुनि में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रटों को निर्देश दिए हैं कि निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी चुनाव कराना सभी अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी है तथा इस जिम्मेदारी में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही अपने दायित्वों का निर्वहन करना है तथा पोलिंग पार्टियों के रवाना होने से पूर्व पोलिंग पार्टियों द्वारा निर्वाचन सामग्री जमा करने तक पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी की जानी है। उन्होंने कहा कि सभी को यह सुनिश्चित करना है कि सभी पोलिंग पार्टियां अपने गंतव्य तक सकुशल पहुंच गई हैं तथा मतदान से पूर्व पोलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर ली गई है। निर्वाचन के दौरान यदि कोई ईवीएम मशीन का कोई पार्ट खराब होता है जिसमें बीयू, सीयू एवं वीवीपैट खराब होता है तो वही पार्ट बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन की प्रत्येक दो घंटे की सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगा जिसमें महिला एवं पुरुष मतदाताओं की संख्या की भी अनिवार्य रूप से जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र में मतदाताओं की जो भी संख्या है उन्हीं का ही मतदान प्रतिशत निकाला जाए। इसमें ईडीसी के माध्यम से डाले गए मतों को शामिल न किया जाए।

कराटे प्रतियोगिता के पदक विजेताओं का सम्मान

ऋषिकेश। शेम लिटिल स्टार्स विद्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जनपद स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के पदक विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रुद्राक्ष त्रिपाठी और हनु शर्मा को बेस्ट फाइटल का अवार्ड दिया गया। बुधवार को शेम लिटिल स्टार्स विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जनपद स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रबंधक खुशबू पंवार ने कहा कि बीते दिनों बहुउद्देश्यीय क्रीड़ा भवन आमवाला देहरादून में जनपद स्तरीय कराटे प्रतियोगिता हुई थी। जिसमें विद्यालय की छात्रा हनु शर्मा ने सब जूनियर कैटेगरी वर्ष 11 वर्ष 45 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अग्रिमा कुड़ियाल ने 6 वर्ष के काता वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। सब जूनियर वर्ग में अर्नव रावत (7 वर्ष) ने कुमिते में स्वर्ण पदक, श्रद्धेय नैनवाल (11 वर्ष) ने कुमिते में रजत पदक, आयुष्मान कंडारी (11 वर्ष) ने कुमिते में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

चार्ट में तानिया और पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन में देवांश रहे अव्वल

ऋषिकेश। केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में टेक्निकल फेस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्पर्धाओं में छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। बुधवार को डोईवाला स्थित सिपेट संस्थान में टेक्निकल फेस्ट कार्यक्रम हुआ। प्रथम चरण में छात्र–छात्राओं को स्क्रीनिंग के आधार पर चयन किया गया, जिसमें छात्रों ने टेक्निकल प्रोजेक्ट, पोस्टर प्रेजेंटेशन, डिबेट, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन, क्विज आदि प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। टेक्निकल प्रोजेक्ट में डीपीएमटी द्वितीय सेमेस्टर के साक्षात लूथरा की टीम ने प्रथम, डीपीएमटी चतुर्थ सेमेस्टर की तनुश्री टीम ने द्वितीय और डीपीटी द्वितीय सेमेस्टर की अश्वनी मौर्या की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चार्ट प्रेजेंटेशन में डीपीटी द्वितीय सेमेस्टर की तानिया ने प्रथम, रविराम ने द्वितीय और डीपीएमटी चतुर्थ सेमेस्टर की तनुश्री एवं डिंपल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिबेट प्रतियोगिता में डीपीटी द्वितीय सेमेस्टर के अर्शदीप ने प्रथम, डीपीटी चतुर्थ सेमेस्टर के ओमप्रकाश ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्विज में डीपीटी चतुर्थ सेमेस्टर की प्रीती दानु की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन में डीपीटी चतुर्थ सेमेस्टर के देवांश नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्थान के संयुक्त निदेशक अभिषेक राजवंश ने छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मौके पर प्रशिक्षण प्रभारी बीके सिंह, डॉ. शिखा उनियाल, जितेन्द्र सिलस्वाल, राजेश यादव, राजमोहन, समीर पुरी, प्रशांत थपलियाल, वंशिका सकलानी, श्रृष्टि थापा, रजत मिश्रा, शादाब असगर आदि उपस्थित रहे।

गुरुग्राम में भटकी बीरोंखाल की महिला को बेटे से मिलाया

देहरादून। पौड़ी के बीरोंखाल से बेटे के पास गुरुग्राम गई वृद्ध महिला भटक गई। हरियाणा पुलिस की सूचना के बाद मंगलवार रात देहरादून में मुख्यमंत्री कार्यालय सक्रिय हुआ और 28 मिनट के भीतर वृद्ध महिला को उनके बेटे से मिला दिया गया। वाकया मंगलवार 16 अप्रैल की रात का है। गुरुग्राम सेक्टर 93 के पुलिस स्टेशन से रात 10:35 बजे रंगोली आंदोलन के संयोजक शशिभूषण मैठाणी को हरियाणा पुलिस का फोन आया। शशिभूषण इन दिनों गोपेश्वर में खलताल में हैं। पुलिस कर्मी अशोक गुर्जर ने उन्हें बताया कि उनका नंबर सोशल मीडिया से लिया है। एक वृद्ध महिला रास्ता भटक गई है। वह सिर्फ अपने बेटे का नाम बता पा रही है, बाकी पता वह उत्तराखंड के गढ़वाल का बता रही है। पुलिस ने शशिभूषण से महिला की बात कराई तो वह गढ़वाली में बात करते हुए बताया कि वह बीरोंखाल की रहने वाली है और बेटे नरेंद्र के पास आई है, लेकिन रास्ता भटक गई है। बेटे का नंबर और पता भी उनके पास नहीं है। शशिभूषण ने रात में ही मुख्यमंत्री उत्तराखंड के वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव केके मदान को फोन कर पूरी स्थिति बताई। कुछ देर बाद बीरोंखाल थाना इंचार्ज सुनील पंवार ने हरियाणा पुलिस से संपर्क किया। वृद्धा के गांव में बात कर नरेंद्र का नंबर लिया गया और फिर नरेंद्र को फोन कर गुरुग्राम के पुलिस स्टेशन बुला लिया गया। 28 मिनट के भीतर वृद्धा को लेने उनका बेटा थाने पहुंच गया। बताया कि वह भी काफी देर से मां की तलाश कर रहे थे। मैठाणी ने मदद के लिए केके मदान के साथ ही हरियाणा पुलिस और पौड़ी के बीरोंखाल थाना इंचार्ज सुनील पंवार का आभार जताया है।

भाजपा प्रत्याशी ने जोहड़ी में मांगे वोट

देहरादून। भाजपा प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह ने मसूरी विधानसभा में डोर टू डोर जनसंपर्क किया। जोहड़ी गांव में संध्या थापा के निवास स्थान पर पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। हम संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा को समर्पण भाव से पूरा कर रहे हैं। पूर्व सैनिकों का वन रैंक,वन पेंशन का मामला हो, मातृशक्ति, युवा शक्ति को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अनेकों योजनाओं से स्वरोजगार को प्रेरित करना हो, देश निरंतर विकास की राह पर बढ़ रहा है। मौके पर मसूरी विधानसभा प्रभारी कमली भट्ट, प्रदेश प्रवक्ता विनोद सुयाल, मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, संध्या थापा, निर्मला थापा, उदय थापा, आशा थापा, सुनीता थापा, अनीता शास्त्री, प्रमिला देवी, कल्पना गुरंग, सुखदेव गुरंग, आरके थापा, कमल गुरंग उपस्थित थे।

तीर्थनगरी में धूमधाम से मनाई गई महानवमी

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में दुर्गा नवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बुधवार सुबह श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जाकर मां दुर्गा की अराधना की। इसके बाद अपने घरों में पहुंच कर कंजकों को आमंत्रित कर उन्हें भोजन कराया। इससे पहले सभी कंजकों के जल से पैर धोकर उनके माथे पर तिलक किया। बाद में सभी कंजकों को हलवा, पूरी का भोजन करवा कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद सभी कंजकों को उपहार दिया गया। नवरात्र में देवी पूजन को लेकर भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है।

बुधवार को चैत्र नवरात्र के नवें दिन सभी मंदिरों में मां दुर्गा के नवें स्वरूप सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की गई। ऋषिकेश व आसपास के क्षेत्रों में नवमी पर जगह–जगह कंजक पूजन किया गया। घर घर में कन्याओं का पूजन कर उन्हें जिमाया गया और उनसे आशीर्वाद लेकर उन्हें उपहार भेंट किए गए। नवमी पर शीशमझाड़ी स्थित मां कात्यायनी मंदिर, मायाकुंड स्थित तारा माता मंदिर, ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट स्थित दुर्गा मंदिर, चंद्रेश्वर चौक स्थित दुर्गा मंदिर, दून मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर सहित तमाम मंदिरों में सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की भड़ दिखी। यहां मां दुर्गा के नवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना हुई।

श्रीकाले हनुमान मंदिर मायाकुंड की महंत माता जनक किशोरी दासी ने बताया कि नवमी पर पूजन के बाद व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने अपना व्रत खोल लिया है। नौ दिनों से नवरात्रों के चलते श्रद्धालुओं ने व्रत रखा था। नवरात्र में पूजा अर्चना करने से मां सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। मां दुर्गा के पावन चरणों में पूजा अर्चना करने वाले साधकों को कन्या पूजन के लिए कन्याओं को ढूंढने में भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ा।

शुद्धता और पवित्रता को धारण करने का पर्व है नवरात्र

नवरात्र के अंतिम दिन प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गीता नगर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र की प्रमुख संचालिका बीके आरती ने कहा कि नवरात्रि के नौ दिन नौ शक्तियों के यादगार है। हम आस्था और पवित्रता के साथ देवी जी का नौ दिनों के लिये आवाहन करते हैं।

बॉबी पंवार के घोषणा पत्र में रोजगार और ओपीएस की बात

देहरादून। टिहरी संसदीय सीट से निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अपना घोषणा पत्र जारी किया।

इसमें उन्होंने रोजगार, लोकायुक्त, पुरानी पेंशन योजना(ओपीएस) के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली पर जनाधिकार की बात की है। बॉबी पंवार के मीडिया प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि हम जिस उद्देश्य के साथ राजनीति में आए हैं, घोषणा पत्र में उन मुद्दों को प्रमुखता से रखा है। खासतौर पर रोजगार को लेकर रोजगार सुरक्षा, रोजगार गारंटी और एक वोट– एक रोजगार की नीति पर काम करेंगे। पहाड़ों में उद्योगों को बढ़ावा देने, वन चुगान से लेकर खनन तक में उत्तराखंड की माइनिंग कंपनियों को प्राथमिकता देने, आबकारी नीति में बदलाव, प्रकृति एवं पर्यावरणीय फोर्स का गठन, पलायन, जल, जंगल जमीन के साथ ही टिहरी लोकसभा क्षेत्र में एक केंद्रीय कृ एवं वानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रयास किए जाएंगे। आपदा काल में सेवा देने वालों को रोजगार में प्राथमिकता, ग्रीन बोनस, गुणवत्ता आधारित पर्यटन और तीर्थाटन विकास के साथ ही हिमालयी राज्यों के मूल निवासियों को ए और बी श्रेणी के पदों में न्यूनतम 40 फीसदी की नियुक्त का प्रावधान, उच्च स्तरीय अधिकार संपन्न स्थायी हिमालय आयोग का गठन, टीजीएमयू, जेएमयू, केएमयू जैसी निजी कंपनियों को नया और आधुनिक आयाम दिया जाएगा। अग्निवीर योजना पर पुनर्विचार के साथ ही सेना और रेलवे में विशेष भर्ती अभियान को जोर दिया जाएगा।

चकराता विधानसभा की 122 पोलिंग पार्टियां रवाना

देहरादून। लोकसभा चुनाव मतदान के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू हो गई है। बुधवार को चकराता विधानसभा के दूरस्थ मतदेय स्थलों की 122 पार्टियां रवाना हुईं। बाकी विधानसभाओं की पार्टियां गुरुवार को रवाना होंगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. वीबीआरसी पुरुषोत्तम और जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका ने रायपुर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। सुबह आठ बजे चकराता विधानसभा का स्ट्रांगरूम सहायक रिटर्निंग अधिकारी चकराता की उपस्थिति में खोला गया। इसके बाद ईवीएम को सामग्री वितरण स्थल तक लाया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका सुबह ही महाराणा स्पोर्टस कालेज पहुंच गई। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

पूर्व छात्र नेता व पार्षद संदीप पटवाल का निधन

देहरादून(। डीएवी महाविद्यालय के पूर्व छात्र नेता व तीन बार पार्षद रहे राज्य आंदोलनकारी संदीप पटवाल का लम्बी बीमारी का बाद मंगलवार देर रात को दून में निधन हो गया। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने उनके निधन पर शोक जताकर श्रद्धाजंलि दी है। वह राजपुर रोड स्थित साकेत विहार में रहते थे। संदीप पटवाल को सांस लेने की दिक्कत के चलते दो दिन पहले दून मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। फेफड़ों में इंफेक्शन के चलते पिछले डेढ़ दो वर्षों से एम्स ऋषिकेश से इलाज चल रहा था। अन्तिम संस्कार हरिद्वार में किया गया। उनके पुत्र दिव्यांश पटवाल ने मुखाग्नि दी। 90 के दशक में डीएवी कॉलेज में संदीप पटवाल प्रमुख छात्र नेता रहे। राज्य आंदोलनकारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र भण्डारी ने बताया कि रवीन्द्र जुगरान को डीएवी महाविद्यालय में महासचिव व अध्यक्ष बनाने में इनकी पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। राज्य आन्दोलन में संदीप पटवाल ने बहुत योगदान दिया। राज्यांदोलन के दौरान बन्द, चक्का जाम, रेल रोको व छात्रों के साथ समन्वय बनाने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाई थी। प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने बताया कि जब राज्य आन्दोलन के लिए रविन्द्र जुगरान के नेतृत्व में उन्होंने सुनील डबराल, सुबोध सती, विजय प्रताप मल्ल के साथ मिलकर एक स्कूटर रैली निकाली थी। पहली बार दून शहर में इतनी बड़ी दो पहिया वाहन रैली आयोजित हुई थी। प्रदेश महासचिव रामलाल खंडूड़ी, गणेश डंगवाल ने बताया कि राज्य बनने के बाद वह भाजपा से जुड़ गये और आर्यनगर क्षेत्र से लगातार तीन बार पार्षद रहे। उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में रवीन्द्र जुगरान, विजय प्रताप मल्ल, राकेश बछेती, सुशील कुमार, वेदा कोठारी, ओमी उनियाल, विनोद असवाल, पुष्पलता सिलमाणा, सुलोचना भट्ट, राजेश्वरी नेगी, राधा तिवारी, अरुणा थपलियाल, देवेश्वरी रावत, सुलोचना गुसांई आदि रहे।

नवमी पर सेवा भारती ने किया 51 कन्याओं का पूजन

विकासनगर। सेवा भारती की ओर से विकासनगर में नवमी के अवसर पर 51 कन्याओं का पूजन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को सेवा भारती की ओर से सेवा केंद्रों के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में बताया गया। कन्या पूजन के पहले आठ बजे से दुर्गा पाठ और श्रीराम पूजा की गई। इसके बाद साढ़े दस बजे कन्या पूजन कार्यक्रम हुआ।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com